Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 180
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,29 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

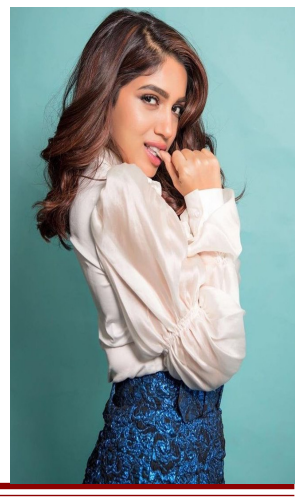

2 पिलर के लिए बन रहा सरिये का स्ट्रक्चर गिरने से चार 4 द 50 रियलिटी शो: 50 सेलेब्स की फाइनल लिस्ट 7 भूमि पेडनेकर की दलदल, डीसीपी रीटा फरेरा

एनसीसी की रैली में बोले पीएम मोदी रैली

महिला कैडेट्स की संख्या उत्साह बढ़ाने वाली

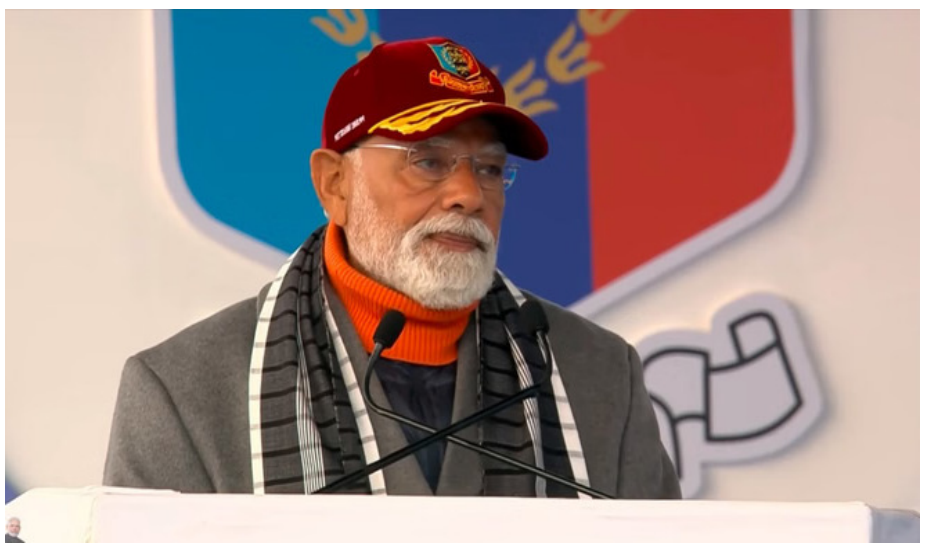

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (28 जनवरी) को राजधानी दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। पीएम मोदी के साथ इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे। अजित पवार को दी श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'आज सुबह महाराष्ट्र में एक दुखद विमान हादसा हुआ है। इस हादसे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी और हमारे कुछ दोस्तों को हमसे छीन लिया है। अजीत दादा ने महाराष्ट्र और देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने हमेशा सक्रिय होकर काम किया। मैं अजीत पवार जी के परिवार और आज जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।' 'NCC एक ऐसा आंदोलन है, जो...' एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि, 'मैं यहां मौजूद सभी कैडेट्स और मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन करता हूं। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं।ठउउएक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है। अनुशासित बनाता है। संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के लिए समर्पित बनाता है।' यह आयोजन एक महीने तक चलने वाले वार्षिक एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के समापन का प्रतीक है। जिसमें देश भर से 2406 कैडेट्स ने हिस्सा लिया है, जिसमें 898 लड़कियां भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री की रैली का विषय 'राष्ट्र प्रथम - कर्तव्य निष्ठा युवा' है, जो भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाता है। 5 जनवरी को हुआ था औपचारिक उद्घाटन दरअसल, यह रैली एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के भव्य समापन का प्रतीक है, जिसका औपचारिक उद्घाटन 5 जनवरी को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया था। एनसीसी ने 3 जनवरी को घोषणा की थी कि इस वर्ष देश भर से 898 लड़कियों सहित 2,406 एनसीसी कैडेट वार्षिक शिविर में भाग ले रहे हैं। भूटान, श्रीलंका, ब्राजील, नेपाल और मलयेशिया सहित 20 से अधिक मित्र विदेशी देशों के 200 से अधिक कैडेट और अधिकारी भी इसमें भाग ले रहे हैं। एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में कई अंतर-निदेशालय प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम शामिल हैं, जैसे कि सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता, छोटे हथियारों से फायरिंग और ध्वज क्षेत्र डिजाइनिंग। राष्ट्रीय राजधानी के कर्तव्य पथ पर आयोजित 77वें गणतंत्र दिवस परेड में पहले एक महिला मार्चिंग टुकड़ी, फिर एक संयुक्त बैंड और अंत में एक पुरुष मार्चिंग टुकड़ी शामिल थी। पहली बार एनसीसी के दल के नेताओं ने सैन्य टुकड़ियों के सदस्यों के समान रूप से तलवार लेकर औपचारिक परेड में मार्च किया।

उत्तराखंड ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2026 को मंजूरी, जानें धामी कैबिनेट के अहम निर्णय

देहरादून (एजेंसी)। सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक आयोजित हुई। सबसे पहले महाराष्ट्र में विमान हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान कैबिनेट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक जताया और दो मिनट का मौन रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजीत पवार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए सदैव करुणा, संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस दुखद हादसे में दिवंगत सभी पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। वहीं, कैबिनेट में आज कुल आठ प्रस्ताव रखे गए। ये हुए निर्णय चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग- ऐसे स्वास्थ्य कार्यकर्ता जिन्होंने पांच साल सेवा कर ली, उन्हें आपसी सहमति से जनपद में तबादले का मौका मिलेगा। राजस्व - आपसी समझौते के स्तर पर सीधे भूमि खरीद के लिए मालिकों से जमीन खरीदी जा सकेगी। भूमि अधिग्रहण के अलावा सीधे मालिक से ले सकेंगे। पराग फार्म की जमीन सिडकुल को दी गई थी। इस जमीन को अन्य को बेचने, पट्टे पर देने का प्रावधान नहीं होगा। सिडकुल सब लीज कर सकेगी। जनजाति कल्याण - देहरादून, उधमसिंह नगर समेत चार जिला जनजातीय कल्याण अधिकारी के पद स्वीकृत।

13 राज्यों में बारिश-ओले का अलर्ट, ठंड के बीच मौसम विभाग की बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का मौसम का पैटर्न सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ से प्रभावित बना हुआ है। जिसके चलते हिमालयी क्षेत्र में हिमपात, उत्तरी और मध्य मैदानी इलाकों में बारिश और गरज के साथ तूफान और कई राज्यों में तेज हवाएं और ठंड की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी बारिश और ओलावृष्टि के आसार है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान लगाया है कि यह मौसम प्रणाली 28 जनवरी तक सक्रिय रहेगी, जिसके चलते पश्चिमी हिमालयी राज्यों, जिनमें जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं, वहां छिटपुट बरसात और हिमपात होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। साथ ही कुछ स्थानों पर खासकर ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी और ओलावृष्टि भी हो सकती है। इन राज्यों में मौसम विभाग का अलर्ट मौसम विभाग ने बुधवार (28 जनवरी) के लिए जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ, उड़ीसा, महाराष्ट्र के कुछ जिलों और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में अलर्ट जारी किया है।

कब्जामुक्त कराये जमीन, बख्शे न जाये भू माफिया-सीएम

लखनऊ (संवाददाता) (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति की जमीन पर किसी दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए। दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले दबंगों, कमजोरों को उजाड़ने वालों तथा भूमाफिया को कतई न बख्शा जाए। कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, सबक सिखाया जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने

सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने ससुराल पक्ष से विवाद तथा परिवार से जुड़ी शिकायतें भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। सीएम योगी ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर समस्या का समाधान कराया जाए।

अजित पवार के निधन पर शोक की लहर

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी समेत तमाम नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार का आज निधन हो गया है। मुंबई से बारामती के लिए प्लेन में निकले थे मगर लैंडिंग के वक्त उनका प्लेन क्रैश हो गया। प्लेन में अजीत पवार सहित 5 लोग सवार थे। इस हादसे में सभी की मौत हो गई। प्लेन क्रैश में अजीत पवार के हुए निधन की खबर के बाद राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री, श्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित पवार जी का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में, विशेषकर सहकारी क्षेत्र में, विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा। मैं उनके परिवार, समर्थकों एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर इस दुर्घटना में मारे गए अन्य सभी लोगों के परिवारों को भी इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। अधिकारियों के अनुसार, बुधवार सुबह पुणे जिले में विमान हादसे में पवार (66) समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब विमान जिले के बारामती क्षेत्र में उतर रहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था।" उन्होंने कहा, "प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ तथा गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के प्रति उनका समर्पण भी उल्लेखनीय था। उनकी असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। उनके परिवार और उनके असंख्य समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। प्रधानमंत्री ने मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में अजित पवार के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की।

अजित दादा के निधन पर फूट-फूटकर रोई सुप्रिया सुले, आई पहली प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर गहरा सदमा और शोक व्यक्त किया और अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में खुद को तबाह बताया। बारामती के पास हुए घातक विमान हादसे की खबर सामने आने के तुरंत बाद सुले ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक शब्द का संदेश पोस्ट किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की पत्नी सुनेत्रा पवार और बहन सुप्रिया सुले बारामती पहुंच चुकी हैं, जहां एनसीपी नेता का विमान हादसे का शिकार हुआ। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजीत पवार को जनता का नेता बताया, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी शोक संदेश भेजे। दिवंगत उपमुख्यमंत्री को याद करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा दादा हमें छोड़कर चले गए! जनता के नेता, धरती से गहरा जुड़ाव रखने वाले, मेरे मित्र और सहकर्मी, उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर बेहद दुखद है।

'महाराष्ट्र ने अपनी रीढ़ खो दी', अजीत पवार के निधन पर संजय राउत का भावुक संदेश

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति के दो अलग किनारों पर होने के बावजूद, शिवसेना (वइळ) के सांसद संजय राउत ने अजीत पवार के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें राज्य का 'सबसे मजबूत स्तंभ' बताया। राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'अजीत दादा' के बिना महाराष्ट्र का राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य अब 'बेचव और अळणी' (फीका और बेस्वाद) हो गया है। राउत ने बताया कि जैसे ही बारामती में विमान दुर्घटना की खबर आई, वे और उनका पूरा दल दादा के सकुशल होने की प्रार्थना कर रहा था। उन्होंने कहा, हमें लगा था कि वे इस संकट से भी बाहर निकल आएंगे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। यह महाराष्ट्र के लिए एक अत्यंत काला दिन है।

संसद भवन में बजट सत्र की शुरूआत: राष्ट्रपति मुर्मू का अभिभाषण

गिनाई देश की उपलब्धियां

दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का शुक्रवार को संसद परिसर में औपचारिक स्वागत किया गया। मुर्मू जब बग्घी में सवार हो कर संसद भवन पहुंचीं तब उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा सरकार द्वारा सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में अपनाए गए 'सेंगोल (राजदंड)' को धारण किए एक अधिकारी ने उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया, जिसके साथ ही बजट सत्र की औपचारिक शुरूआत हुई। राष्ट्रीय राजधानी में धुंधभरी सुबह के बीच राष्ट्रपति मुर्मू छह घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली पारंपरिक बग्घी में सवार हो कर संसद पहुंचीं। उनके साथ राष्ट्रपति का अश्वारोही अंगरक्षक दल का दस्ता भी था। संसद भवन के लॉन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा

अध्यक्ष बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू उन्हें लोकसभा कक्ष तक लेकर गए। राष्ट्रपति के आगमन से पहले, पारंपरिक वेशभूषा पहने लोकसभा के एक वरिष्ठ मार्शल ने 'राजदंड' (सेंगोल) को उसके स्थान से हटाया और ड्रम की थाप के बीच अध्यक्ष ओम बिरला के साथ जुलूस के रूप में आगे बढ़े। उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने संसद भवन के गज द्वार पर राष्ट्रपति का स्वागत किया और 'राजदंड' को श्रद्धापूर्वक धारण किए अधिकारी के नेतृत्व में सभी लोग लोकसभा कक्ष पहुंचे।

बरेली से बाहर भेजे गए अलंकार अग्निहोत्री, समर्थकों ने किया कार रोकने का प्रयास, पुलिस से धक्कामुक्की

बरेली (एजेंसी)। बरेली में निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर 2:18 बजे निजी वाहन से बरेली से बाहर भेज दिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की कर दी। धक्कामुक्की होने से एक इंस्पेक्टर

जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया। इसके बाद पुलिस और प्रशासन अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर भेजने में कामयाब रहा। इसके बाद उनके समर्थकों ने रामपुर की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी शुरू दी। हाउस अरेस्ट करने का लगाया था आरोप इससे पहले, बुधवार को सुबह अलंकार अग्निहोत्री सरकारी आवास से निकलकर गेट पर आए थे और मीडिया कर्मियों से खुद को हाउस अरेस्ट होना बताया था।

मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ बयानबाजी का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने स्टालिन सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक परंपरा, कानून और न्यायपालिका की मर्यादा से जुड़े एक संवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ कथित अपमानजनक बयानों और प्रदर्शनों को लेकर तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा है। यह मामला कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति से जुड़ा हुआ है। मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने तमिलनाडु सरकार, राज्य के डीजीपी, चेन्नई पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी

किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। अब मामले में अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी। अब समझिए क्या है पूरा मामला? यह याचिका वकील जीएस मणि ने दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सत्तारूढ़ डीएमके समर्थित दलों, कुछ कम्युनिस्ट पार्टियों, कुछ व्यक्तियों और वकीलों ने मिलकर अवैध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन न सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर हुए, बल्कि मद्रास हाईकोर्ट के परिसर में भी किए गए। याचिका के अनुसार, इन प्रदर्शनों के दौरान जस्टिस स्वामीनाथन के खिलाफ जाति और धर्म के आधार पर अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की गईं।

'देश इसे कभी माफ नहीं करेगा', संसद में विपक्ष के व्यवहार पर किरेन रिजिजू ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के संयुक्त सत्र में बुधवार को विपक्ष के हंगामे ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के दौरान कई महत्वपूर्ण घटनाओं और महापुरुषों की जयंती पर विपक्ष के विरोध ने सांसद और जनता दोनों को चौंका दिया। ऐसे में अब संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस पूरे मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही विपक्ष के व्यवहार की कड़े शब्दों में आलोचना भी की है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष के कारण देश शर्मिंदगी महसूस कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों को संबोधित कर

रही थीं, तब विपक्ष ने जो व्यवहार किया, उससे देश शर्मिंदा हुआ। देश कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान विपक्ष ने कई महत्वपूर्ण अवसरों पर हंगामा किया। संसद में विपक्ष का हंगामा रिजिजू ने आगे बताया कि संसद में जब 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने का जिक्र हुआ और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब विपक्ष ने हंगामा किया। जब गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहादत दिवस का जिक्र हुआ, विपक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू ने आगे कहा कि जब बाबा साहेब आंबेडकर की 150वीं जयंती पर भी हंगामा हुआ। भारत रत्न भूपेन हजारा का शताब्दी समारोह मनाया जा रहा था, तब भी हंगामा किया गया। बड़े व्यक्तित्वों का अपमान- रिजिजू इसके साथ ही आगे रिजिजू ने इस बात पर भी जोर दिया कि ये सभी अवसर देश और समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि संसद में राष्ट्रपति के संबोधन के समय विरोध करने से बड़े व्यक्तित्वों का अपमान होता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं खुद का अपमान सह सकता हूं, लेकिन गुरु तेगबहादुर, भूपेन हजारा, सरदार पटेल और वंदे मातरम् जैसे महापुरुषों का अपमान देश कभी माफ नहीं करेगा।

स्टार ऑफ द मंथ संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकर्ता कर्मचारियों के साथ महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर एवं अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्त तथा अन्य विभागाध्यक्ष

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने संरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 03 कर्मचारियों को महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 28 जनवरी,2026 को ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकत्ताओं में लखनऊ मण्डल के बढ़नी सवारी माल डिब्बा डिपो में वरिष्ठ तकनीशियन के पद पर कार्यरत श्री बालकृष्ण भारती ने 08 नवम्बर, 2025 को गाड़ियों के अनुरक्षण कार्य के दौरान अण्डर गियर पिट परीक्षण के समय साधारण द्वितीय श्रेणी के 01 कोच में ह्यसोलबार टूटाह्य हुआ देखकर तत्काल इसकी सूचना अपने पर्यवेक्षक को दी, जिसके उपरान्त पर्यवेक्षक द्वारा उक्त यान को अनफिट घोषित कर हटाया गया, जिससे एक सम्भावित अनहोनी से बचा जा सका। श्री बालकृष्ण को उनकी सतर्कता दृष्टि के साथ कार्य के लिये उन्हें ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर सम्मानित किया गया। वाराणसी मण्डल के शाहगंज स्टेशन पर टैञ्क मेंटेनर के पद पर कार्यरत श्री बबलू कुमार ने 16 नवम्बर, 2025 को सुबह पेट्रोलिंग के दौरान दीदारगंज-शाहगंज के मध्य किमी. संख्या-92/9-11 पर वेल्ड फ्रैक्चर को देखकर समपार संख्या-67/सी के गेटमैन के माध्यम से सम्बन्धित को सूचना देकर की-मैन श्री प्रमोद कुमार की मदद् से जॉगल फिशप्लेट लगाकर टैञ्क को सुरक्षित किया। श्री बबलू कुमार की सूझबूझ एवं कर्तव्यपरायणता के कारण टैञ्क को तत्काल सुरक्षित किया जा सका, जिसके लिये उन्हें ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर सम्मानित किया गया। इञ्जतनगर मण्डल के मन्धना स्टेशन पर इलेक्ट्रिक सिगनल मेंटेनर के पद पर कार्यरत श्री देवानन्द कुशवाहा ने 03 नवम्बर, 2025 को कार्य के दौरान स्टेशन मास्टर, चौबेपुर द्वारा चौबेपुर यार्ड में सिगनल विफलता की सूचना पर टैञ्क सर्किट की जांच के उपरान्त टैञ्क वेल्डिंग को क्रैक देखकर तत्काल इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दिया। उक्त टैञ्क को रेल पथ निरीक्षक द्वारा तत्काल ठीक कराया गया। श्री देवानन्द की सजगता एवं सतर्कता के कारण एक सम्भावित अप्रिय घटना को बचाया जा सका, जिसके लिये उन्हें ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर सम्मानित किया गया। इन रेल कर्मचारियों की तत्परता, सूझबूझ एवं कार्य के प्रति समर्पण के कारण रेल संरक्षा प्रभावित होने से बचाई जा सकी और दुर्घटनायें रोकी जा सकीं, जिसके लिये इन्हें महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 24 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी व अपराध आसूचना शाखा के संयुक्त निगरानी के दौरान चौकाघाट वाराणसी स्थित जी.टी. रोड के बाई तरफ कबाड़ की दुकान से 02 शातिर अपराधी को चोरी की रेल सम्पत्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 26 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल सीतापुर द्वारा गाड़ी सं0 14012 में एक महिला यात्री को प्रसव पीड़ा होने पर उसे जिला चिकित्सालय, सीतापुर भेजा गया। 27 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 02 पर एक बीमार व्यक्ति मिला जिसे प्राथमिक उपचार के उपरान्त जिला चिकित्सालय बलिया में भर्ती कराया गया। 26 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12565 में 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 27 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 5 पर 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 25 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भटनी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, भटनी को सुपुर्द किया गया। 24 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बस्ती को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 पर 12 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, बस्ती को सुपुर्द किया गया। 24 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बस्ती को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15654 में 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, बस्ती को सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त खबरें

दूध की गुणवत्ता जांचने आएगी केंद्रीय टीम

बस्ती। भारत सरकार के निर्देश पर नेशनल क्वालिटी मिल्क सर्वे के तहत फरवरी में जिले में अभियान चलाकर दूध के नमूने संकलित किए जाएंगे। दूध के सभी नमूनों को आइस पैक में भर का लैब भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने पर टीम संबंधित जनपद में रिपोर्ट प्रेषित कर कार्रवाई के लिए अनुरोध करेगी। यह अभियान जिला अभिहित अधिकारी की मौजूदगी में चलाया जाएगा। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ग्रेड-दो चितरंजन कुमार सिंह का कहना है कि जनपद में संचालित डेयरी से भैंस व गाय के दूध का एक नमूना लिया जाएगा। साथ ही अन्य कंपनियों के भी मिल्क का नमूना लिया जाएगा। कहा गया है कि फरवरी में यह अभियान चलेगा। इस संबंध में गाइडलाइन जारी किया गया है। बताया गया कि डेयरी से मिलने वाले दूध गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुधिया से भी दूध का नमूना सील कर जांच के लिए भेजा जाएगा। जिला अभिहित अधिकारी ने बताया कि सभी कार्रवाई शासन के निर्देश पर की जाएगी। दूध में किसी प्रकार का मिलावट नहीं होना चाहिए। जांच के समय गाइडलाइन का पालन होगा। टीम का सहयोग रहेगा। बताया गया कि सैंपल जांच रिपोर्ट आने पर केंद्रीय टीम कार्रवाई के लिए पत्राचार करेगी, उसके बाद यहां कार्रवाई की जाएगी।

15 फरवरी तक दर्ज करें संपत्ति का विवरण

बस्ती। वक्फ संपत्तियों के उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई थी, बावजूद इसके अभी तक पंजीकरण की स्थिति ठीक नहीं है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी डॉ. प्रियंका अवस्थी ने बताया कि निदेशालय से निर्देश दिए गए थे कि संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर पंजीकरण से न केवल कानूनी सुरक्षा मिलती है, बल्कि भविष्य में प्रशासनिक सुगमता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है। लापरवाही बरतने पर आगे चलकर गंभीर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं। प्रेस विज्ञप्ति के जरिये बताया कि जिले के सभी मुतवल्ली प्रबंधन समिति व प्रशासकों से कहा गया है कि उम्मीद पोर्टल पर 15 फरवरी 2026 तक वक्फ संपत्ति का विवरण दर्ज कराएं, अन्यथा की स्थिति में स्वयं उत्तरदायी होंगे।

प्रेम प्रसंग में युवक का अपहरण, पुलिस की घेराबंदी पर छोड़ा, सात गिरफ्तार

गौर। थाना क्षेत्र के हलुआ बाजार के पास विरऊपुर चौराहे पर गणतंत्र दिवस के दिन सोमवार को दोपहर में सांवडीह गांव (हरिजन पुरवा) के चौकीदार लाल बहादुर के बेटे सतीश कुमार को 15-20 की संख्या में मनबढ़ सरेआम पीटने लगे। इसके बाद जबरन उसे बाइक पर बैठाकर लेकर भाग निकले। घटना के बाद क्षेत्र में युवक के अपहरण की चर्चा तेज हो गई। सूचना के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई। इस बीच मौका पाकर सतीश मनबढ़ युवकों के चंगुल से बाहर निकलकर भागते हुए घर पहुंच गया। मंगलवार को दोपहर में गौर थाने पर घटना का पदार्फाश करते हुए सीओ हरैर्या स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि युवक के अपहरण की सूचना मिलते ही गौर, वॉटरगंज, एसओजी और सर्विलांस टीम सक्रिय कर दी गई। पुलिस की सक्रियता के चलते ही अपहरणकताओं ने युवक को छोड़ दिया। अपहृत सतीश किसी तरह रात में अपने घर पहुंचा। पूछताछ में सतीश ने बताया कि एक लड़की से उसका प्रेम चल रहा है। उसी लड़की से एक अन्य युवक भी प्रेम करता है। इसी खुन्नश में लड़की के दूसरे प्रेमी राजन ने उसे फोन करके विरऊपुर चौराहे पर बुलाया। चौराहे पर पहुंचते ही वहां 15 से 20 साथियों के साथ पहले से मौजूद राजन ने उससे मारपीट की। इसके बाद उसे बाइक पर बैठाकर भाग निकला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और सतीश के परिजनों को दी। पुलिस की सक्रियता से मनबढ़ इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच सतीश मौका पाकर उनके चंगुल से बाहर आ गया और भागकर घर पहुंच गया। इसके बाद परिजन और पुलिस टीम ने राहत की सांस ली।

जमीन चिह्नित, 1.40 करोड़ से बनेगा पंचायत उत्सव भवन

बस्ती। जिले में एक करोड़ 40 लाख की लागत से पंचायत उत्सव भवन बनेगा। पंचायत राज विभाग ने जमीन चिह्नित करके प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। इसमें बेटियों की शादी से लेकर अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम कराए जाएंगे। हालांकि, अभी अनुमति न मिलने से कार्य शुरू नहीं हो पाया है, मगर उम्मीद है कि जल्द ही स्वीकृति मिल जाएगी और इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। जिले में 1187 ग्राम पंचायतें हैं। गांव को आर्थिक एवं समृद्ध बनाने की पहल शासन स्तर से की जा रही है। इसके लिए सामुदायिक शौचालय, पंचायत भवन का निर्माण पहले किया जा चुका है। अब जिले में एक पंचायत उत्सव भवन का निर्माण होना है। चालू वित्तीय साल में एक पंचायत उत्सव भवन का लक्ष्य मिला था। जिसके लिए हरैर्या विधानसभा क्षेत्र के थुरदा गांव में जमीन का चयन किया गया है। पंचायत उत्सव भवन के निर्माण पर एक करोड़ 40 लाख रुपये खर्च होंगे। इस दो मंजिला भवन में निजी गेस्ट हाउस की तरह चकाचौंध, आधुनिक और उत्कृष्ट व्यवस्थाएं होंगी। इस भवन में मांगलिक कार्यक्रमों में जरूरी व आने वाले मेहमानों के लिहाज से सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। गांव के आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता बेटियों के विवाह पर अब प्राइवेट गेस्ट हाउस के समान इन उत्सव भवनों में शादी कर सकेंगे। इसकी बुकिंग बेहद कम रुपये में होगी और मामूली खर्च पर मांगलिक कार्यक्रम संपन्न करने के लिए दिया जाएगा। इससे संबंधित गांव की आय बढ़ेगी। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने कहा कि पंचायत उत्सव भवन के लिए परशुरामपुर ब्लॉक के थुरदा गांव में भूमि चिह्नित की गई है। प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। शासन स्तर से ही कार्यदायी संस्था का चयन होगा। बताया कि पंचायत उत्सव भवन बनाने के लिए तीन हजार वर्गफीट जमीन की जरूरत थी।

लखपति दीदी बन परिवार का सहारा बनीं 20 हजार महिलाएं

बस्ती। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविकाश मिशन एनआरएलएम के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं लखपति दीदी योजना में जुड़कर परिवार के अर्थव्यवस्था का जरिया बन गई हैं। चालू सत्र में अब तक जिले में 20 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। समूहों से जुड़ी यह महिलाएं किसी न किसी रोजगार के जरिये अपने आपको आर्थिक रूप से मजबूत कर परिवार का एक मजबूत सहारा बन चुकी हैं। विभाग के अनुसार, लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, जिससे उनकी सालाना एक लाख या उससे अधिक हो जाए। यह योजना महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और आजीविका के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बना रही है। जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 52 हजार 867 महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है। इसके सापेक्ष अब तक की जो स्थिति है 20 हजार 124 महिलाएं लखपति दीदी के रूप में चयनित हो चुकी हुई हैं। इनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये या उससे अधिक है। यह कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार समर्थन पाकर आत्मनिर्भर बनी हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन इनकी संख्या बढ़ाने के लिए समूहों के आय के स्त्रोत बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

सीएसए में हुआ प्रदर्शन; यूजीसी बिल के विरोध में फूंका पुतला छात्रों ने नियम को बताया काला कानून

कानपुर। यूजीसी बिल के विरोध में छात्रों ने विरोध दर्ज कराया। सीएसए में छात्रों ने विरोध करते हुए हांथों में काली पट्टी बांधकर झंडे लहराए। इस दौरान बिल को काला कानून बताते हुए इसे भेदभाव बढ़ाने वाला नियम बताया। कानपुर में यूजीसी के प्रस्तावित बिल के विरोध में आंदोलन तेज हो गया है। मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के छात्र-छात्राओं ने छात्र नेताओं के साथ मिलकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर काले झंडे लहराए और यूजीसी का पुतला फूंकते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि यह बिल छात्र हितों के खिलाफ है और यदि इसमें संशोधन नहीं किया गया तो आंदोलन को देशव्यापी स्तर पर फैलाया जाएगा। छात्र नेता अभिजीत राय ने कहा कि यह एक काला कानून है, जो कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भेदभाव को बढ़ावा देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बिल छात्रों को जाति के आधार पर बांटने का काम करेगा, जिससे छात्र एकता कमजोर होगी।

दक्षिण के मोहल्लों में रहेगी पानी की किल्लत, आठ फरवरी तक चलेगा मरम्मत का काम

कानपुर। गंगा बैराज से दक्षिण के इलाकों में बुधवार से पाइप लाइन जोड़ने का काम किया जाना है। इसकी वजह से 12 दिनों तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। कानपुर में गंगा बैराज से दक्षिण क्षेत्र की तरफ बुधवार से 12 दिन तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जलनिगम नगरीय के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि पूर्व में बिछाई गई पाइपलाइन से नई पाइप लाइन को साकेतनगर मछली मंडी, दक्षिण द्वार बारादेवी, पराग डेयरी के सामने दीप टॉकीज तिराहा, निरालानगर पंपिंग स्टेशन के पास जोड़ा जाना है। इस वजह से मुख्य फीडर मेन लाइन 28 जनवरी से आठ फरवरी तक आपूर्ति प्रभावित रहेगी। बर्रा दो, करर्ही, खाड़ेपुर, नौबस्ता, बाबूपुरवा, नयापुरवा, ट्रांसपोर्टनगर, किदवईनगर, निरालानगर, गोविंदनगर सहित अन्य मोहल्लों में पानी नहीं पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि बैराज से दादानगर फ्लाईओवर व फूलबाग तक जलापूर्ति जारी रहेगी।

घर में फंदे से लटका मिला चौकीदार के बेटे का शव

पैकोलिया। क्षेत्र के बावरपारा गांव में एक युवक का शव संदिग्ध हालत में फंदे से लटका हुआ मिला है। उसकी पहचान चौकीदार रिक्खी रामपाल के बेटे विकास पाल (22) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वह पिछले काफी दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था। सोमवार की रात में करीब आठ बजे भोजन करने के बाद कमरे में सोने गया। मां मीना पाल मंगलवार की सुबह जब उसे जगाने पहुंची, तो दरवाजा खटखटाने पर आवाज नहीं आई। मां ने झरोखे से देखा तो छत की कुंडी से कपड़े के सहारे फंदे से लटका हुआ मिला। मां के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य और गांव लोग भी एकत्र हो गए। सूचना के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बैंकों में लटका रहा ताला...निराश लौटे ग्राहक

बस्ती। जिले में पांच दिन काम और दो दिन आराम की मांग पर बैंक कर्मियों व अधिकारियों ने हड़ताल करते हुए प्रदर्शन किया। बैंकों में हड़ताल से कामकाज ठप रहा। बैंक अधिकारियों के अनुसार, 350 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ। बैंक कर्मियों की हड़ताल से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से मंगलवार तक बैंक बंद रहे, वहीं मंगलवार को वर्किंग डे होने के नाते लोग बैंक खुलने के इंतजार में रहे, मगर हड़ताल के चलते जो लोग नकदी के लिए बैंकों में पहुंचे वह निराश होकर लौट गए। जिलेभर में संचालित एसबीआई, पीएनबी, ग्रामीण सहित अन्य बैंकों और इनकी शाखाओं में तैनात कर्मी कार्य बहिष्कार करते हुए हड़ताल पर रहे। बैंक कर्मियों ने सप्ताह में पांच दिन काम की मांग पर जगह-जगह प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय में विभिन्न बैंकों के कर्मियों ने एसबीआई की मुख्य शाखा गांधीनगर, पांडेय बाजार और पीएनबी की मुख्य शाखा गांधीनगर में रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि पांच दिवसीय कार्य को लागू करने की मांग पर पूर्व में यूनाइटेड फोरम ऑफ यूनियन ने मुख्य श्रम आयुक्त को ज्ञापन दिया था।

बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक पी.सी. जायसवाल

गोरखपुर,: प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक की अध्यक्षता

में यात्री एवं माल यातायात तथा आय में वृद्धि पर समीक्षा बैठक 28 जनवरी,2026 को वाणिज्य विभाग के सभाकक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में तीनों मंडलो के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक एवं मुख्यालय के वाणिज्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में ह्ययात्री यातायात एवं आय में वृद्धि, मालभाड़ा यातायात में वृद्धि, मालगोदामों में सुधार एवं उन्नयन, एन.एफ.आर. पालिसी के अन्तर्गत स्थानीय व्यापारियों से समन्वय कर विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत रेल राजस्व में वृद्धिह्य पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उन्होनें लखनऊ मण्डल एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय के टिकट चेकिंग संवर्ग के एक-एक कर्मचारी को उनके उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुरस्कृत कर सम्मानित किया। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री पी.सी.जायसवाल ने रेल यात्रियों को अनारक्षित टिकट की सुलभ प्राप्ति हेतु रेल वन ऐप, ए.टी.वी.एम. की संख्या बढ़ाने तथा मोबाइल टिकटिंग मशीन का प्रावधान करने हेतु मण्डलों को निर्देशित किया। उन्होंने रेल मदद पर प्राप्त हुए परिवादों के त्वरित निस्तारण हेतु भी सभी वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धकों को निर्देश दिया। श्री जायसवाल ने यात्रियों हेतु सभी स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक यात्री सुविधायें उपलब्ध कराने एवं दिव्यांगजनों के लिये निर्धारित सुविधायें तथा हेल्प बूथ स्थापित करने हेतु कार्य योजना बनाने पर बल दिया। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक ने बिना टिकट यात्रियों के रोकथाम हेतु नियमित रूप से बस रेड एवं गाड़ियों में सघन टिकट जांच करने हेतु मण्डलों को निर्देश दिया। बैठक में मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/यात्री सेवायें श्री विजय कुमार, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट मार्केटिंग श्री अनिल कुमार, उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट मार्केटिंग श्री सुमित कुमार, उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/यात्री सेवायें श्री आशीष कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर श्री संजीव, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/लखनऊ श्री आशुतोष गुप्ता, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/वाराणसी श्री शेख शमीउर्रहमान, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक/टिकट जांच श्री पवन कुमार मिश्र, वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक/सामान्य श्री प्रशान्त कुमार, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट मार्केटिंग श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/कोर्ट श्री अमरेश्वर निधान त्रिपाठी, सचिव/प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री राजशेखर मिश्र, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/कैटरिंग श्री प्रशान्त मिश्र, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/यात्री सेवायें श्री शिवशंकर प्रसाद उपस्थित रहे। बैठक के अन्त में मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/यात्री सेवायें श्री विजय कुमार ने सभी आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

काशी विद्यापीठ में 10 फरवरी से दो जिलों के 30 हजार विद्यार्थियों की परीक्षाएं जल्द जारी होगा कार्यक्रम

वाराणसी। काशी विद्यापीठ में 10 फरवरी से दो जिलों के 30 हजार विद्यार्थियों की परीक्षाएं होंगी। वाराणसी, चंदौली के 150 कॉलेजों के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पीजी की 10 तो यूजी की 16 फरवरी से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से संबद्ध दो जिलों के महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू होंगी जबकि स्नातक की परीक्षाएं 16 से कराई जाएगी। 15 दिन तक चलने वाली परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तिथि की घोषणा कर दी गई है। इसी सप्ताह परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय से पहले वाराणसी के साथ ही चंदौली, सोनभद्र, भदोही, मिजार्पुर के करीब 400 कॉलेज जुड़े थे। 2025-26 से विश्वविद्यालय में केवल वाराणसी और चंदौली के ही कॉलेज जुड़े हैं। इन दोनों जिलों के करीब 150 कॉलेजों में यूजी, पीजी के पहले सेमेस्टर में पढ़ने वाले 30 हजार से ज्यादा विद्यार्थी परीक्षाएं कराए जाने की तिथि का इंतजार कर रहे थे। इस बीच विश्वविद्यालय की ओर से 27 जनवरी को वाराणसी, चंदौली के कॉलेजों के विद्यार्थियों की परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई। सहायक कुलसचिव परीक्षा अरिंदम श्रीवास्तव की ओर से जारी कार्यक्रम में बताया गया है कि स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रम की परीक्षा 10 फरवरी से और स्नातक की परीक्षाएं 16 फरवरी से प्रस्तावित हैं। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि दोनों जिलों के कॉलेजों में स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का परीक्षा फॉर्म भरवाया जा रहा है। बीए, बीएससी, बीए मॉस कम्यूनिकेशन और कुछ स्नातकोत्तर पाठयक्रमों की परीक्षा के लिए 28 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन की शुरूआत होगी। कैंपस में पीजी की परीक्षा अंतिम चरण में, 5 फरवरी से यूजी परीक्षा विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग की ओर से मेन कैंपस के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षा तिथि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें पीजी की परीक्षा अंतिम चरण में हैं। बस एक विषय की परीक्षा होनी बाकी है। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि मेन कैंपस के बीए, बीएससी के छात्र-छात्राओं की परीक्षा 5 फरवरी से शुरू होगी। इसके लिए परीक्षा विभाग की ओर से सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। काशी विद्यापीठ में छह फरवरी को होगी स्किल डेवलपमेंट की परीक्षा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ समाज कार्य विभाग में स्नातक प्रथम/तृतीय सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों एवं छूटे हुए विद्यार्थियों की स्किल डेवलपमेंट एनजीओ मैनेजमेंट एंड वॉलिएंट्री एक्शन की परीक्षा 6 फरवरी को होगी। विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. वंदना सिन्हा ने बताया कि दोपहर 12 बजे से समाज कार्य संकाय के प्रो. राजाराम शास्त्री सभागार में होने वाली परीक्षा में संबंधित स्नातक विद्यार्थियों की उपस्थिति जरूरी है। इसमें शामिल न होने पर दोबारा परीक्षा नहीं कराई जाएगी।

पिलर के लिए बन रहा सरिये का स्ट्रक्चर गिरने से चार मजदूर दबे

बलिया। बलिया जिले में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां ओवरब्रिज निर्माण के दौरान पिलर के लिए बन रहा सरिये का स्ट्रक्चर गिर गया। जिससे चार मजदूर दबकर घायल हो गए। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के मुजौना गांव के निजी स्कूल के पास एनएच-727बी पर बड़ा हादसा हुआ। यहां ओवरब्रिज निर्माण के दौरान बुधवार को सरिया का स्ट्रक्चर गिर गया। हादसे में चार मजदूर मलबे में दबकर बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों की पहचान बिहार निवासी

इस्माइल (26), अमीर अंसारी (42), नूर मोहम्मद (40) और अब्दुल्लाह (20) के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस संबंध में उभांव थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि ओवरब्रिज के पिलर निर्माण के दौरान सरिया का स्ट्रक्चर गिरने से मजदूरों के घायल होने की जानकारी मिली है। घटना को लेकर पुलिस जांच में जुटी है।

आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल आवास आयुक्त बलकार सिंह से मिला

लखनऊ (संवाददाता)। नई भवन उपविधि के क्रियान्वयन में बरती जा रही शिथिलता को लेकर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में आवास आयुक्त श्री बलकार सिंह से मिला व्यापारियों ने लखनऊ के इंदिरा नगर क्षेत्र में नई भवन उपविधियों के क्रियान्वयन में शिथिलता होने की स्थिति से अवगत कराया और इस विषय में ज्ञापन सौंपा. आवास आयुक्त के निर्देश पर 6 फरवरी को व्यापारियों एवं आवास विकास के अधिकारियों की होगी बैठक आवास विकास विभाग के अधिकारी प्रेजेंटेशन देकर व्यापरियों को नई भवन उपविधि की विस्तार से देंगे जानकारी 28,जनवरी,बुधवार उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में आवास आयुक्त श्री बलकार सिंह से आवास आयुक्त के कार्यालय में मिला व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने आवास आयुक्त बलकार सिंह को लखनऊ के इंदिरा नगर क्षेत्र में नई भवन उपविधियों के क्रियान्वयन में शिथिलता बरतने की स्थिति से अवगत कराया और इस विषय में एक ज्ञापन सौंपा. संजय गुप्ता ने बताया कि व्यापारिक समुदाय नई भवन उपविधियों के अंतर्गत मिश्रित भूमि उपयोग (डपÅमक स्ंदक न्में) के नियमों के अनुसार अपनी संपत्तियों को परिवर्तित कराने के लिए पूर्णतः तैयार है।

संविधान, एकता और विकास ही भारत की असली शक्ति : तोमर

रंगारंग प्रस्तुतियों व आकर्षक झांकियों ने बढ़ाई गणतंत्र दिवस की शोभा

■ ग्वालियर

जिले में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास, धूमधाम एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कम्पू स्थित एसएएफ ग्राउंड पर आयोजित मुख्य समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। श्री तोमर कहा कि संविधान, एकता और विकास ही भारत की असली शक्ति है, इन्हीं मूल्यों से राष्ट्र निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का भी वाचन किया।

ध्वजारोहण के पश्चात श्री तोमर ने जिलाधीश रुचिका चौहान व एसएसपी धर्मवीर सिंह के साथ खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। संयुक्त परेड में बीएसएफ, एसएएफ, जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड व शौर्यादल की टुकड़ियों ने बीएसएफ व एसएएफ बैंड की मधुर धुन पर आकर्षक मार्चपास्ट किया। समारोह में विभिन्न विभागों की चलित झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। जिला पंचायत की झांकी प्रथम, नगर निगम द्वितीय तथा जेल विभाग की झांकी तृतीय स्थान पर रही। स्कूली बच्चों के देशभक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। शासकीय कन्या सांदीपनि विद्यालय को प्रथम, सांदीपनि पद्माराजे कन्या विद्यालय व उत्कृष्ट उ.मा.वि. क्र.-1 को संयुक्त द्वितीय तथा कन्या एमएलबी मुरार व ग्रीनवुड स्कूल को तृतीय पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल शहीदों के परिजनों, लोकतंत्र सेनानियों, समाजसेवियों एवं उत्कृष्ट शासकीय सेवकों को सम्मानित किया। समारोह में सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश जाटव एवं उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

युवाओं के कॅरियर और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा सम्मानित किया गया।

● न्यू वेंडी चिल्ड्रन स्कूल दीनदयाल नगर में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुश्री किरण भदौरिया ने झण्डा वंदन किया।

● पंजाबी परिषद समिति द्वारा ध्वजारोहणकर भारत माता की जय हो का उद्घोष किया। इस मौके पर कुलवीर भारद्वाज, अशोक मारवाह, प्रमिला मरवाह, जीके सूरी, राजू पंडित आदि उपस्थित रहे।

● जैन मिलन महिला फालका बाजार ने दिव्यांगजनों एवं एबी रोड स्थित झोपड़पट्टी में रहने वाले लोगों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर महेंद्र जैन, प्रवीण जैन, महेंद्र कुमार जैन, सुनीता जैन, चंदा जैन आदि उपस्थित रहे।

● भारत विकास परिषद सहयोग शाखा ग्वालियर द्वारा बहोड़ापुर तिराहे पर नियमित राष्ट्र गान की श्रंखला में ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरित किया गया। इस मौके पर सुधीर अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, राजकुमार गर्ग, रामनाथ अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

● भारतीय योग संस्थान के साधकों ने धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया। इस मौके पर लक्ष्मण सिंह परिहार, दिनेश शर्मा, पवन गुप्ता, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

● ऋषि गालव पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस देशभक्ति के जोश के साथ

मनाया गया। समारोह की शुरुआत ध्वज फहराने से हुई, जिसके बाद एनसीसी कैडेट्स और कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने परेड की। मुख्य अतिथि पीएस कुशवाह ने विद्यार्थियों को अच्छे इंसान बनने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य अरविंद सिंह जादौन ने विद्यार्थियों को सच्चाई और गर्व के साथ देशभक्ति को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित किया।

● रामकृष्ण मिशन (सीबीएसई) स्कूल परिसर में 500 छात्र-छात्राओं,

शिक्षकों एवं अतिथियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण और मार्च पास्ट किया। उसके बाद सामूहिक गीत गायन, पीटी ड्रिल, योगा प्रदर्शन, एरोबिक्स तथा हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत में भाषणों की श्रृंखला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में एपीएस भदौरिया, राम प्रताप शर्मा, प्राचार्य स्वामी कृष्णामृतानंद महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। आभार अर्पिता मुखर्जी ने व्यक्त किया।

● सरस्वती शिशु मन्दिर केदारधाम आवासीय विद्यालय में ध्वजारोहण कर

राष्ट्रगान गाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों देशभक्ति गीत, भाषण, कविता, योग पिरामिड एवं नाटक की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य अग्रवाल, विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष अनुज माहेश्वरी, दिलीप पाठक, अमित कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

● मालगाड़ बस्ती में सेवा भारती जिला ग्वालियर ने बच्चों के बीच में गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर दिनेश चौहान, संतोष खरे, अनिल शर्मा, संतोष कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

● गूंज स्टूडियो में लीजेंड्स परिवार के सभी सदस्यों ने देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।

मुखर्जी भवन पर ध्वजारोहण

भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय मुखर्जी भवन बाड़ा पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सांसद भारत सिंह कुशवाह एवं पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, अभय चौधरी, कमल माखीजानी, रामवरण सिंह गुर्जर, समीक्षा गुप्ता, जवाहर प्रजापति, अशोक शर्मा, राकेश माहौर, रामेश्वर भदौरिया, जितेंद्र सिंह गुर्जर, दीपक शर्मा, विनय जैन, विनोद शर्मा, कनवर मंगलानी, राजू सेंगर, आशीष मेहरोत्रा, सुरेन्द्र शर्मा, सुशील वर्मा, अनिल सांखला, अमर कुटे आदि उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी विश्रांति और न्यास में ध्वजारोहण

कस्तूरबा गांधी विश्रांति और न्यास में ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान पश्चात कस्तूरबा तिराहे पर मां कस्तूरबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास के प्रबंध न्यासी जगदीश प्रसाद शर्मा, स्वदेश समाचार पत्र के प्रबंध संचालक यशवर्धन जैन, डॉ. श्रीप्रकाश लोहिया, मीना सचान, गिर्राज गोयल, अनुजकांत उदैनिया, सुमंत शर्मा द्वारा ध्वजारोहरण किया गया। इस अवसर पर विमल कुमार आर्य, ललित मिश्रा, अशोक कुमार उपाध्याय, अशोक कुमार प्रजापति, दिनेश कुमार तिवारी, कविन्द्र सिंह कुशवाह, देवदत्त तिवारी, अभिषेक सिंह कौरव, भागीरथ कुशवाहा, डॉ. दिव्या शर्मा, सुलेखा चौहान आदि उपस्थित रहे।

● सेवार्थ पाठशाला द्वारा सिंधिया नगर नीडम पुल के नीचे एवं मौनी बाबा आश्रम पर गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर डॉ. सुरेंद्र शर्मा, प्रो. विवेक पांडे, शकुन वैश्य, नीलेश मौर्य, मोहनलाल अहिरवार, ओमप्रकाश दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

● यूथ हॉस्टल द्वारा हेम सिंह की परेड त्रिमूर्ति सर्किल पर शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए देशभक्ति तरानों से सजी एक शाम शहीदों के नाम आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल आरसी सक्सेना, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, संस्था अध्यक्ष विजय गर्ग, सचिव राम नारायण मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

● तीर्थराज उपाध्याय ने जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया, संतोष दास ने हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकालके, विपिन दुबे ने कर चले हम फिदा जानो तन साथियों, नीलम शर्मा ने हर करम अपना करेंगे गीतों की प्रस्तुति दी। आभार हेमंत निगम ने व्यक्त किया।

● सनवैली रेजिडेंसी में वहां के रहवासियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। जिसमें बड़ी संख्या में रहवासियों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने सहभागिता की।

गणतंत्र दिवस समारोह में केपी शर्मा सम्मानित

गणतंत्र दिवस पर एसएएफ मैदान कंपू में आयोजित कार्यक्रम में बीएसएनएल से सेवानिवृत्त 76 वर्षीय केपी शर्मा को भाला फेंक व तस्तरी फेंक प्रतियोगिता में राज्यस्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर एवं जिलाधीश रुचिका चौहान ने प्रशस्ति पत्र भेंटकर केपी शर्मा का सम्मान किया। भारतीय संचार निगम (बीएसएनएल) कार्यालय में गणतंत्र दिवस पर अयोजित समारोह में भी महाप्रबंधक राजेश कुमार ने केपी शर्मा को सम्मानित किया। इस दौरान बीएसएनएल अधिकारी व कर्मचारियों ने श्री शर्मा को बधाई दी।

जीवाजी विवि में कुलगुरु ने फहराया राष्ट्रध्वज

जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रांगण में कुलगुरू डॉ.राजकुमार आचार्य ने राष्ट्रध्वज फहराया एवं तिरंगे को सलामी दी। उन्होंने गणतंत्र दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि जब हम अपने महान राष्ट्र की गरिमा, संविधान की महत्ता और लोकतांत्रिक मूल्यों का स्मरण कर रहे हैं तब इस ध्वज के साए में खड़ा होना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। जीवाजी विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यहां से निकलने वाला प्रत्येक विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाज और देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बने यही हमारा संकल्प है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। छात्रा इरा मिश्रा ने संविधान का संक्षिप्त वाचन किया। इसी क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

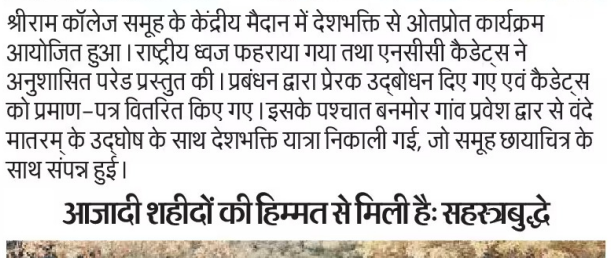

अजाक्स कार्यालय पर व्याख्यानमाला व मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर

म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर थाटीपुर कार्यालय में मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर और व्याख्यानमाला आयोजित की। इसका विषय था वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्र निर्माण में सद्भावना और समरसता क्यों जरूरी? कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला रहे। अध्यक्षता अजाक्स प्रांताध्यक्ष चौ. मुकेश मौर्य ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बसंत पुरोहित, एड. विक्रम पिप्पल, इंजि. राजेंद्र सिंह भदौरिया, रविन्द्र त्रिपाठी, कोमल सिंह गोयल, विवेक शर्मा, महेंद्र जैन, शिवकुमार द्विवेदी, मनोहर कटारिया, डॉ. राजेश बिरथरिया, हवलदार सिंह भदौरिया, नंद किशोर गोस्वामी सहित अन्य मैजूद रहे।

कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में गणतंत्र दिवस पर दक्षिण विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्षों ने तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा महाराज बाड़ा से सराफा बाजार, राम मंदिर, दौलतगंज होते हुए वापस महाराज बाड़ा पहुंची। पूर्व विधायक प्रवीण पाठक के मुख्य आतिथ्य में भारत माता को माल्यार्पण कर महाआरती की गई। रास्ते में फूलों की पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। पूर्व विधायक पाठक ने कहा कि इस तिरंगा यात्रा ने सामाजिक समरसता और सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया है। यह यात्रा शहर में एकता और अखंडता का प्रतीक बनी, जो युवाओं में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के साथ राष्ट्रप्रेम को बढ़ावा देती है। अंत में पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि प्रवीण पाठक व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव को पगड़ी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। यात्रा में ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, हरेंद्र गुर्जर, ओबीसी लोकेंद्र कुशवाह, अशरफ खान, विजय यादव, पवन शर्मा, कुलदीप व्यास, लक्ष्मी माथुर, श्याम सुंदर श्रीवास्तव, अंसार खान, सुनील कुशवाह, रामेश्वर यादव, धर्मेंद्र जैन, मुकेश धाकड़, जंगबहादुर सिंह चौहान, गोपाल शिवहरे, राहुल जैन आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर फहराया तिरंगा

कांग्रेस कार्यालय शिंदे की छावनी पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने ध्वजारोहण किया। ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, पूर्व विधायक मदन कुशवाह, हरिओम शर्मा, संजय सिंह राठौर, वीर सिंह तोमर, सरमन सिंह राय, जेएच जाफरी, चतुर्भुज धनोलिया, मेहबूब भाई चेनवाले, हरेन्द्र सिंह गुर्जर, मीनू परिहार, कुलदीप कौरव, पट्टू पांडे, तरूण यादव, महेश मधुरिया, अशोक तरेटिया, संदीप यादव, लक्ष्मीनारायण श्रीवास, राजेश खान, उपेन्द्र सिंह राजपूत, अब्दुल हमीद पप्पू आदि मौजूद रहे।

संघ कार्यालय पर फहराया तिरंगा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विवेकानंद मार्ग स्थित ग्वालियर विभाग कार्यालय राष्ट्रोत्थान न्यास भवन पर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने राष्ट्रध्वज फहराया। उन्होंने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए लोगों से अपने कर्तव्य का पालन करते हुए देशहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर शशिकांत शर्मा, ललित कुमार, हरिप्रसाद गुप्ता, विजय गुप्ता, नरेन्द्र कुंटे, नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ. लोहिया, मुरली सविता, मनोज जुनेजा, आशीष पांडेय, नितिन, रोहित, दिनेश आदि उपस्थित रहे।

संगोष्ठी, शपथ, रैली और नए मतदाताओं का सम्मान

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत संचालित मेरा युवा भारत ग्वालियर शाखा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जनकगंज में किया। कार्यक्रम में संगोष्ठी, मतदाता जागरूकता शपथ, रैली और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पार्षद ममता तिवारी ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने का प्रमुख माध्यम है। इस अवसर पर प्राचार्य अनिल कुमार जैन, राकेश सिंह कुशवाह, सुधा बोहरा, नीलम शाक्य, बिपिन कांत त्रिपाठी और अजय शाक्य उपस्थित रहे।

आत्ममंथन से ही राष्ट्र निर्माण की दिशा तय होती है: शुक्ला

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने ध्वजारोहण किया, जबकि एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासित सलामी दी। दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

तिरंगे की शान में सजा परिसर

जन विकास न्यास की सहयोगी संस्थाओं में गणतंत्र दिवस मनाया गया। मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. बीआर श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण किया। परेड, पीटी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांधा। डॉ. नीरज शर्मा ने संविधान व नागरिक कर्तव्यों का महत्व बताया। समारोह में डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, डॉ. गुंजन श्रीवास्तव, डॉ. सुशील गुप्ता सहित स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तिरंगे की शान और देशभक्ति का उत्सव

वीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में चेयरपर्सन सरोज राठौर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। एनसीसी कैडेट्स की भव्य परेड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण रहीं। चेयरमैन डॉ. सुनील कुमार सिंह राठौर ने संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान किया। समारोह में ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, प्राचार्यगण, स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रीराम कॉलेज समूह में राष्ट्रप्रेम का संदेश

श्रीराम कॉलेज समूह के केंद्रीय मैदान में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासित परेड प्रस्तुत की। प्रबंधन द्वारा प्रेरक उद्बोधन दिए गए एवं कैडेट्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके पश्चात बनमोर गांव प्रवेश द्वार से वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ देशभक्ति यात्रा निकाली गई, जो समूह छायाचित्र के साथ संपन्न हुई।

आजादी शहीदों की हिम्मत से मिली है: सहस्त्रबुद्धे

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने झंडा फहराते हुए कहा कि इस गौरवपूर्ण अवसर पर हम उस धरती पर खड़े हैं जहां की मिट्टी में अनगिनत बलिदानों की यादें बसी हैं। भारत की आजादी हमें तोहफे में नहीं मिली थी, यह शहीदों की हिम्मत और सपनों से हासिल हुई थी। इस दौरान भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा निबंध लेखन संबंधी पोस्टर का विमोचन भी हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ.आशुतोष खरे सहित समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

● प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पुराना हाईकोर्ट स्थित संगम भवन केन्द्र पर गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद भाई ने झंडा फहराया तथा सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सम्पादकीय

जन-मन के करीब होते पद्म पुरस्कार

पद्म पुरस्कारों पर अब सामान्य तौर पर ज्यादा हो-हल्ला नहीं मचता। यह भी कहने वाले कम हो गए कि मैं पद्म पुरस्कार (पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री) दिलवा सकता हूं। ज्यादा नहीं तो बीते दशक के पहले ये बातें अक्सर सुनने को मिल जाती थीं और सामने दिखने वाली या बड़ी हस्तियों के आस-पास रहने वाले लोग इससे पुरस्कृत हो जाते थे। राष्ट्रीय स्तर के इन पुरस्कारों को पाने की जो होड़ पहले होती थी, अब भी होती है लेकिन अब शायद ज्यादा साफ प्रक्रिया होने से सचमुच समाज बदलने वाले या फिर जिन्होंने कला, संस्कृति, विज्ञान, सार्वजनिक जीवन, मैडीकल के अतिरिक्त अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में बड़ा प्रदर्शन किया है, उनका नाम सामने ज्यादा आने लगा है (अपवाद तो अब भी हैं लेकिन अब आपको झटका नहीं लगता)। पहले कहा ही जाता था कि पद्म पुरस्कार उन्हीं को मिलते हैं जो बड़े-बड़े घरों में रहा करते हैं। पहले दिल्ली या मुंबई का कब्जा ज्यादा होता था अथवा फिर फिल्मी दुनिया के आकर्षण का। कुछ खेल और फिर सार्वजनिक जीवन के नाम पर अफसरों और नेताओं का। कई बार ऐसा होता था कि मैडीकल के क्षेत्र में पद्म अवार्ड के आमतौर पर सवा सौ के आसपास में रहने वाली सूची में 20-20 नाम मैडीकल से होते थे और ज्यादातर महानगरों से या फिर प्रधानमंत्रियों के इलाकों के। 90 के दशक में 10 वर्षों में 117 डाक्टरों को इन पुरस्कारों से नवाजा गया और 2000 के पहले दशक में 122 को। फिल्मों में जब सैफ अली खान (2010) और अजय देवगन (2016) को यह सम्मान दिया गया तो उनके अतुलनीय योगदान पर सवाल उठे। पाकिस्तान से आए गायक अदनान सामी, टी.वी. पर सास-बहू सीरीज की क्वीन और बोल्ड फिल्में बनाने वाली एकता कपूर और जमीन से उड़ी (जुड़ी नहीं) फिल्में बनाने वाले करण जौहर भी इसी श्रेणी में रहे। लेकिन पिछले एक दशक से इसमें पर्याप्त सुधार देखने को मिला। इसमें पारदर्शिता दिखी, जमीन से जुड़े लोग दिखे, जिन्होंने विस्तारित समाज के लिए सचमुच कुछ किया, वे दिखे। बीते 10 वर्षों में कृषि और जैविक खेती में नवाचार, स्वदेशी बीजों के संरक्षण और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कई किसानों और वैज्ञानिकों को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इस बार भी पद्म पुरस्कारों को लेकर आप यह कह सकते हैं कि इनमें से कई ने गंभीर व्यक्तिगत उलझनों को किनारे करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता पाई। इनमें से तो कई पिछड़े और दलित समुदायों के अलावा दूरस्थ और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट के जज और देश में कानून के कई सुधारों के प्रणेता रहे केरल के के.टी. थामस, वायलिन में दुनिया में नाम रोशन करने वाली एन. राजन, केरल के ही साहित्यकार पी. नारायणन, वामपंथी नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन के नाम पद्मविभूषण के लिए हैं और इस पर कौन आपत्ति कर सकता है। अपने धरम भाजी इसी श्रेणी में हैं। उन्हें मरणोपरांत यह पुरस्कार दिया गया। वैसे धर्मेंद्र को अपने कैरियर के चालीस साल में कोई पुरस्कार (फिल्मफेयर भी) नहीं मिला। बीते दशक में इन्हें अचानक पद्मभूषण दिया गया और अब पद्मविभूषण। इसी तरह पद्मभूषण की सूची में गायिका अलका याज्ञनिक, फिल्म अभिनेता मम्मूटी, तमिलनाडु के मैडिसिन में कलीपत्ती रामास्वामी और अमरीका में रह रहे कैंसर विशेषज्ञ नोरी दत्तात्रेयदु के अलावा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोशियारी भी शामिल हैं। विज्ञापन की दुनिया के अगुवा तथा अबकी बार मोदी सरकार के नारे को जन-जनव्यापी बनाने वाले पियूष पांडेय को मरणोपरांत, तमिलनाडु के सोशल वर्कर एस.के.एन. महिलानंदन, कर्नाटक के भजन गायक सतावधानी गणेश तथा शिक्षाविद् और केरल के सबसे बड़े ड्रुपहदू समुदाय एझावा के नेता वेलापल्ली नतेशन (केरल) को इसी श्रेणी में दिया गया। अब पद्मश्री से नवाजे गए अंके गोड़ा (जो कभी कंडक्टर थे और बाद में जिन्होंने 20 लाख पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी बनाई), बिहार के लोक गायक भारत सिंह भारती और बिहार के ही लोक नृत्य के प्रणेता विश्वबंधु, ओडिशा के सामाजिक कार्यकर्त्ता चरन हेमराम, लीची किसान गोपाल जी त्रिवेदी, मेघालय के पर्यावरण संरक्षणकर्त्ता बांस के पुल बनाने वाले हैली वार, सफाई के लिए जीवन समघ्पत करने वाले पूर्व आई.पी.एस. अफसर इंद्रजीत सिंह संधू, असम की लोकगायिका पोखिला लेखथेपी, शिल्पगुरु चिरंजी लाल यादव और विलुप्त होतीं 55 से अधिक सब्जियों के बीजों को बचाने के लिए रघुपत सिंह (मरणोपरांत) ऐसे कई नाम हैं, जिन्होंने अलग से कुछ काम किया इस बार भी विवाद के लिए एक बात है। कहने वाले सिर्फ इतना ही कह सकते हैं कि केरल के लोगों को ज्यादा (8) पद्म पुरस्कार मिले हैं (खास तौर से पद्मविभूषण से सम्मानित अच्युतानंदन समेत 3)। इसी तरह पश्चिम बंगाल में भी 11 विभूतियों को पुरस्कृत किया गया है। और दोनों ही राज्यों में अगले साल चुनाव हैं। आरोप है कि जिन 5 राज्यों में (देश की आबादी का 18 फीसदी भूभाग) चुनाव हैं, वहां 37 फीसदी पुरस्कार दिए गए। आरोप तो यह भी है कि कई विवादित मामलों में फंस चुके शिबू सोरेन को भी पुरस्कृत झारखंड की आगे की राजनीति के मद्देनजर किया गया।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है। देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी।

> ***विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।***

मनाली की बर्फबारी ने राज्य सरकार को बेनकाब कर दिया

वैष्णव गांधी

23 जनवरी, 2026 की बर्फबारी ने मनाली को पंगु नहीं बनाया, हिमाचल प्रदेश सरकार ने बनाया। हिमालयी शहर में बर्फबारी कोई असाधारण घटना नहीं, यह मौसमी है, जिसका अनुमान लगाया जा सकता है और जिसकी बार-बार भविष्यवाणी की जाती है। जिस बात ने जनता को चौंका दिया, वह बर्फ की तीव्रता नहीं थी, बल्कि वह गति थी, जिससे शासन व्यवस्था चरमरा गई। इसके बाद जो संकट आया, वह प्रकृति का काम नहीं था, बल्कि दूरदृष्टता, समन्वय और जिम्मेदारी की विफलता थी। मौसम की चेतावनी काफी पहले से उपलब्ध थी। गणतंत्र दिवस के लंबे वीकेंड ने भारी संख्या में पर्यटकों के आने की गारंटी दी थी। फिर भी कोई स्पष्ट निवारक कार्रवाई नहीं की गई। मनाली में कोई विनियमित प्रवेश नहीं, कोई ट्रैफिक डायवर्जन योजना नहीं, कोई आपातकालीन गलियारा नहीं और बर्फ हटाने वाली पर्याप्त मशीनों की पहले से तैनाती नहीं। पतलीकुहल-मनाली का 17 किलोमीटर लंबा रास्ता लगभग 3 दिनों तक बंद रहा। हजारों वाहन फंसे रहे। परिवार शून्य से नीचे के तापमान में कारों के अंदर रातें बिताने को मजबूर हुए। बच्चों, शिशुओं और बुजुर्ग नागरिकों को आधिकारिक उपेक्षा का खमियाजा भुगतना पड़ा। स्थानीय लोग अस्पतालों, आवश्यक आपूर्ति और बुनियादी आवाजाही से कट गए। यह एक अपरिहार्य सवाल उठाता है। जब सीमा सड़क संगठन नियमित रूप से रिकॉर्ड समय में कहीं अधिक खतरनाक ऊंचाई वाले रास्तों को साफ करता है, तो मनाली, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, को पंगु क्यों रहने दिया गया? इसी तरह परेशान करने वाली बात चयनात्मक प्रवर्तन की व्यापक रिपोर्टें थीं। जबकि निजी वाहनों और पर्यटकों को पतलीकुहल में रोका गया था, टैक्सियां चलती रहीं और कम दूरी के लिए अत्यधिक किराया वसूल रही थीं। आपातकाल के दौरान मुनाफाखोरी के आरोपों को अलग-थलग शिकायतों के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता, उन्हें जांच की आवश्यकता है। जब दूसरों को रोका गया तो टैक्सियों को चलने की अनुमति क्यों दी गई? प्रवर्तन एजेंसियों की चुप्पी और निष्क्रियता केवल संदेह को गहरा करती है और जनता के विश्वास को कम। अंतर स्पष्ट था। जब आधिकारिक मशीनरी लडखड़ा रही थी, स्थानीय निवासियों ने भोजन, गर्मी और सहायता के लिए आगे कदम बढ़ाया। दया आम नागरिकों से आई, सरकार से नहीं। संकट के बाद जारी किए गए सरकारी बयान, ठंडी गाडियों में बिताई गई रातों को खत्म नहीं कर सकते या शिशुओं को कड़ाके की ठंड से बचाने की कोशिश कर रहे माता-पिता की परेशानी को मिटा नहीं सकते। शासन को प्रैस नोट से नहीं, बल्कि दबाव में प्रदर्शन से मापा जाता है।घटना के कई दिन बाद भी, जिम्मेदारी तय नहीं की गई। किसी भी अधिकारी का नाम नहीं लिया गया। सड़क साफ करने में देरी के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। यह चुप्पी विफलता का सामना करने की बजाय जनता के गुस्से के शांत होने का इंतजार करने की कोशिश का संकेत देती है। इस घटना को खराब मौसम कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। यह आपदा की तैयारी, ट्रैफिक मैनेजमैंट और लागू करने की ईमानदारी में सिस्टम की कमजोरियों को उजागर करता है। यह प्राथमिकताओं और जवाबदेही के बारे में परेशान करने वाले सवाल भी उठाता है। एक मौजूदा हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए। ऐसी जांच में तैयारी में विफलता, बर्फ हटाने में देरी, लागू करने में चूक और मिलीभगत के आरोपों की जांच होनी चाहिए। व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। संस्थागत भूलने की बीमारी को हावी नहीं होने दिया जा सकता। हिमाचल प्रदेश के लोग ऐसे शासन के हकदार हैं जो पहली भारी बर्फबारी के साथ ही ढह न जाए। जवाबदेही कोई रियायत नहीं, हर नागरिक का न्यूनतम अधिकार है। बर्फ ने मनाली की सड़कों को उजागर किया। इस संकट ने सरकार को उजागर किया। अगर इस विफलता को बिना किसी परिणाम के जाने दिया गया, तो यह फिर होगा, ज्यादा कीमत और शायद अपरिवर्तनीय नुकसान के साथ। न्याय, पारदृष्टता और सुधार वैकल्पिक नहीं, वे जरूरी हैं।

साम्प्रदायिकता की आंच में तपती देवभूमि

हमारा देश जब लोकतंत्र की स्थापना के 78वें वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा था, तब देवभूमि कहे जाने वाले उसके ही एक प्रान्त में एक सदी से भी ज्यादा पुरानी विरासत पर भद्दी गालियों, जय श्रीराम और बजरंग बली की जय जैसे आक्रामक नारों के साथ हथौड़े और सब्बल चलाये जा रहे थे, वहां रखे धार्मिक ग्रंथों को नुकसान पहुंचाया जा रहा था और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की जा रही थी। दरअसल, मसूरी के एक मिशनरी स्कूल की निजी जमीन पर स्थित बाबा बुल्ले शाह की मजार बहुसंख्यक गुंडागर्दी की बलि चढ़ गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य मजारों को भी तोड़ दिया गया, वहीं दानपेटी को तोड़कर नकदी निकाल ली गई। भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक रही बुल्ले शाह की मजार के परिसर में रविवार की शाम मुट्ठी भर हिन्दूवादी जूते पहनकर घुस गये और अपने घटिया इरादों को अंजाम दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मसूरी पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित 25-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी ने अपने संगठन के कार्यकताओं द्वारा इस तोडफोड़ की जिम्मेदारी ली है। पुलिस कब और कैसे इस दावे का संज्ञान लेती है, देखना होगा। हालांकि इस पूरे प्रकरण में राहत की बात ये रही कि पुलिस में शिकायत करने जाने वालों में केवल मुस्लिम संगठन ही नहीं, दूसरे समुदायों के लोग भी शामिल थे।बाबा बुल्ले शाह- जिन्हें बुल्लेया कहकर भी संबोधित किया जाता है, एक क्रांतिकारी दार्शनिक, समाज सुधारक और कवि थे, जिन्हें पंजाबी भाषा के महानतम

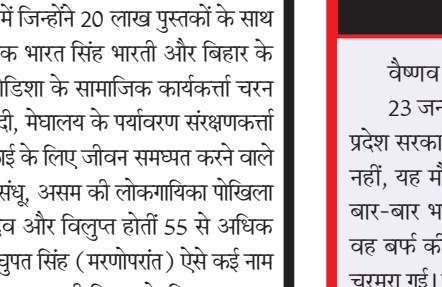

कवियों में से एक माना जाता है और जिनका सम्मान श्पंजाबी ज्ञानोदय के जनकश के रूप में है। उनका असल नाम सैयद अब्दुल्लाह शाह कादरी था और उन्हें हजरत मुहम्मद साहब की पुत्री फातिमा का वंशज माना जाता है। उनके पिता शाह मुहम्मद थे जिन्हें अरबी, फारसी और कुरान शरीफ का अच्छा ज्ञान था। पिता के नेक जीवन का प्रभाव बुल्ले शाह पर भी पड़ा और शायद इसीलिए श्सैयदश यानी ऊंची जाति से होते हुए भी उन्होंने निचली जाति श्आराइनश के शाह इनायत को अपना गुरु बनाया। हिन्दी और पंजाबी में अनगिनत गीत बुल्ले शाह की रचनाओं पर आधारित हैं या उनमें बुल्ले शाह का हवाला है। 1970 के दशक में नरेंद्र चंचल का गाया गीत- श्बेशक मंदिर-मस्जिद तोड़ो, बुल्ले शाह ये कहता ध्पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो, जिस दिल में दिलबर रहताश हरेक किशोर और युवा की जबान पर हुआ करता था। लगभग दो दशक पहले मशहूर पंजाबी गायक रब्बी शेरगिल ने श्बुल्ला की जाणा मैं कौनश गाकर तारीफें हासिल की तो करीब एक दशक पहले रणबीर कपूर पर फिल्माया गया श्यार बुल्लेयाश गीत भी काफी लोकप्रिय हुआ। श्दमादम मस्त कलंदरश तो बाबा बुल्ले शाह की सदाबहार रचना है ही।लेकिन धर्म का इकहरा और बेसुरा राग अलापने वाले जाहिल क्या जानें कि कविता क्या होती है और उसे संगीत में पिरोना क्या होता है, बुल्ले शाह की रचनाओं और उनके दर्शन को समझना तो बहुत दूर की बात है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि बुल्ले शाह की मजार पर हमला सुनियोजित ढंग से किया गया हो। ताज्जुब है कि एक हिन्दूवादी संगठन खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी ले रहा है, लेकिन उसकी भनक तक पुलिस को नहीं लगी। क्या यह सीधे-सीधे पुलिस के निगरानी और सूचना तंत्र की असफलता नहीं है। वैसे, उत्तराखंड जिस तेजी से हिन्दुत्व की प्रयोगशाला बनता जा रहा है, उसे देखकर यह माना जा सकता है कि धर्म के नाम पर उपद्रव करने वालों को कहीं न कहीं से शह मिल रही है और कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिम्मेदार केवल खानापूरी कर रहे हैं। श्सबरंग इंडियाश वेबसाइट ने इस पहाड़ी प्रदेश में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर नागरिक अधिकारों के संरक्षण के लिए गठित संघ (एपीसीआर) की तथ्यान्वेषी रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें 2021 और 2025 के बीच उत्तराखंड के कई जिलों में मुसलमानों को प्रभावित करने वाली सांप्रदायिक हिंसा, धमकी, बेदखली, विस्थापन और उनके धर्मस्थलों पर हमले की घटनाओं की एक श्रृंखला का दस्तावेजीकरण किया गया है। श्बहिष्कृत, लक्षित और विस्थापित रूउत्तराखंड में सांप्रदायिक कथाएं और हिंसा साम्प्रदायिकश शीर्षक वाली यह रिपोर्ट जमीनी जांच, पीड़ितों के बयानों, पुलिस रिकॉर्ड, अदालती दस्तावेजों, आधिकारिक नोटिसों और मीडिया रिपोर्टों पर आधारित है।एपीसीआर ने दिसंबर 2021 की हरिद्वार धर्म संसद को एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में चिह्नित किया है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में कई हिन्दुत्ववादी धार्मिक नेताओं ने भाषण दिये जिनमें मुसलमानों के खिलाफ हिंसा, हिन्दू राष्ट्र की स्थापना और इस्लाम एवं ईसाई धर्म के दमन का आह्वान किया गया।

खौफनाक पढ़ाई

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व यादद्दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कालांतर यह भय व कुंठा जीवनभर उनका पीछा करती है। उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। तब वे जीवन की स्पर्धा में भी दब्बू बनकर रह जाते हैं। यह भी विडंबना ही है कि आज भी बच्चों पर पढ़ाई का बोझ थोपने से पहले हमारे यहां किसी तरह का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नहीं होता है कि बच्चे की अभिरुचि किन विषयों में है। सही मायनों में हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। कुदरत उसकी रचना किसी खास मकसद के लिये करती है। लेकिन मां-बाप व शिक्षक पहचान नहीं पाते कि उसका रुझान किस दिशा में है। यदि समय रहते बच्चे की उस प्रतिभा को पहचाना जा सके और उस विषय व दिशा में उसे प्रोत्साहित किया जाए, तो वे अप्रत्याशित रूप से किसी भी क्षेत्र में शिखर की सफलता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे कई तरह के जन्मजात व आनुवंशिक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जो उनकी सामान्य पढ़ाई में बाधक हो सकता है। कई बच्चों में जन्म से ही दृष्टि दोष या कोई अन्य शारीरिक व मानसिक विकार भी हो सकता है, जिसके चलते वे अपनी पढ़ाई को ठीक से पूरा नहीं कर पाते। फलतः उन्हें शिक्षकों व परिजनों के हिंसक व्यवहार का शिकार होना पड़ता है। आज बच्चों को संवेदनशील ढंग से देखने की जरूरत है ताकि उनकी पढ़ाई में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सके।

यूजीसी को लेकर यूपी में बवाल, विरोध में उठे स्वर

लखनऊ (संवाददाता)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के नए कानून का जमकर विरोध हो रहा है। छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं।देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा नया नियम सियासत, समाज, सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन गया है। सवाल है कि आखिर सामान्य वर्ग के लोग यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों कर रहे हैं।बहराइच में यूजीसी बिल के विरोध में बीजेपी के युवा मोर्चा के नगर मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है।इस्तीफे में केंद्र सरकार द्वारा पारित यूजीसी बिल का विरोध किया है। यूपी सरकार के समर्थन की बात कही गई है। बहराइच में यूजीसी बिल को लेकर सवर्ण समाज नाराज है। बीजेपी के युवा मोर्चा के नगर मंत्री उद्देश्य सिंह के इस्तीफे का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल है। यूजीसी 2026 लागू होने के बाद अब सवर्ण समाज के नेताओं का विरोध सामने आने लगा है।कुछ बीजेपी नेता भी दबे मन से संशोधन की बात करने लगे है। बीजेपी विधान परिषद सदस्य रजनीकांत माहेश्वरी ने संशोधन की बात कही है।उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन जो है उसके अपने कुछ अधिकार है।उसके द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में लिए जाने वाले निर्णय पारित किए जाते है।

नेचुरल तरीके से बढ़ाना चाहते हैं विटामिन बी-12, इन पांच वेज चीजों को डाइट में करें शामिल

अगर किसी को अत्यधिक थकान, कमजोरी, हाथों-पैरों में झुनझुनी (सुन्नपन), त्वचा का पीला पड़ना, सांस फूलना जैसी समस्या हो रही हैं तो ये विटामिन बी 12 की कमी का संकेत है। ऐसे में वेजिटेरियन लोगों के मन ये सवाल रहता है किन चीजों का सेवन करना चाहिए। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। विटामिन बी-12, जिसे 'कोबालामिन' भी कहा जाता है, हमारे शरीर के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है जो रेड ब्लड सेल्स के निर्माण और नर्वस सिस्टम को अच्छे से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर यह माना जाता है कि विटामिन बी-12 केवल मांसाहारी भोजन में ही पाया जाता है, जिसके कारण शाकाहारी लोगों में इसकी कमी का जोखिम काफी बढ़ जाता है। शरीर में इस विटामिन की कमी से थकान, कमजोरी, याददाश्त में कमी और नसों में झुनझुनी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। चूंकि हमारा शरीर इस विटामिन को खुद नहीं बना सकता, इसलिए इसे आहार के माध्यम से लेना बहुत जरूरी है। जो लोग शाकाहारी हैं उनके लिए अच्छी बात यह है कि नेचर ने उन्हें कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ प्रदान किए हैं, जो नेचुरल रूप से बी-12 के लेवल को बढ़ाने में काफी मदद करते हैं। सही चुनाव और संतुलित आहार के जरिए आप बिना किसी सप्लीमेंट के इस कमी को पूरा कर सकते हैं और अपने मस्तिष्क व शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

डेयरी उत्पाद और फोर्टिफाइड अनाज

दूध, दही और पनीर विटामिन बी-12 के सबसे सुलभ शाकाहारी स्त्रोत हैं। एक गिलास दूध या एक कटोरी दही शरीर की दैनिक आवश्यकता का काफी हिस्सा पूरा कर सकती है। इसके अलावा, बाजार में उपलब्ध 'फोर्टिफाइड सीरियल्स' (जैसे कॉर्नफ्लेक्स या ओट्स) एक बेहतरीन विकल्प हैं, जिनमें निर्माण के दौरान विटामिन बी-12 अलग से मिलाया जाता है। यह उन लोगों के लिए कॉफी फायदेमंद हो सकता है जो डेयरी उत्पादों का सेवन कम करते हैं।

खमीरयुक्त भोजन और मशरूम की ताकत

कुछ शोध बताते हैं कि कुछ प्रकार के मशरूम, विशेषकर 'शिटाके मशरूम', में विटामिन बी-12 की पाई जाती है। साथ ही खमीरयुक्त फूड प्रोडक्ट जैसे इडली, डोसा और किमची भी पाचन तंत्र में गुड बैक्टीरिया बढ़ाकर इस विटामिन के अवशोषण में मदद करते हैं। हालांकि इन चीजों में जिनता विटामिन-बी-12 मिलता है वो नॉन वेज में मिलने वाले विटामिन बी-12 से काफी कम होता है, लेकिन इसके नियमित सेवन से शरीर का पोषण लेवल स्थिर बना रहता है।

टेम्पेह और न्यूट्रिशनल यीस्ट

सोयाबीन से बना 'टेम्पेह' एक ऐसा फर्मेंटेड उत्पाद है जिसमें फर्मेंटेशन प्रक्रिया के दौरान बी-12 का निर्माण होता है। वहीं, 'न्यूट्रिशनल यीस्ट' शाकाहारी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। इसका स्वाद पनीर जैसा होता है और इसे सूप या सलाद पर छिड़क कर खाया जा सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि विटामिन बी-12 का एक पावर हाउस भी माना जाता है।

सही चुनाव है जरूरी

विटामिन बी-12 की कमी को दूर करने के लिए केवल सही भोजन खाना काफी नहीं है, बल्कि आपके पेट का स्वास्थ्य भी अच्छा होना चाहिए ताकि शरीर इसे सोख सके। अगर आपको गंभीर लक्षण महसूस हों, तो डॉक्टर से परामर्श कर ब्लड टेस्ट जरूर कराएं, डॉक्टर आपको सप्लीमेंट खाने के लिए दे सकते हैं। इन सब से साथ एक चीज जो बहुत जरूरी है कि अपनी डाइट में विविधता लाएं ये शरीर के पोषक तत्वों को बनाए रखने का सबसे शानदार तरीका है।

डैंड्रफ अगर बार-बार लौट आता है, तो ये गलतियां हो सकती हैं वजह

अगर आपके सिर में भी बार-बार रूसी हो रही है तो पहले इसे कारण जान लें। क्योंकि कई बार ये दिक्कत आपकी खुद की गलतियों की वजह से होती है। डैंड्रफ यानी रूसी की समस्या आज सिर्फ सर्दियों तक सीमित नहीं रही। लाखों लोग महंगे शैंपू, घरेलू नुस्खे और ट्रीटमेंट आजमाने के बावजूद बार-बार लौट आने वाली डैंड्रफ से परेशान हैं।

अक्सर लोग मान लेते हैं कि सही शैंपू न मिलने की वजह से ये समस्या ठीक नहीं हो रही, लेकिन सच इससे कहीं गहरा है। दरअसल डैंड्रफ सिर्फ बाहरी गंदगी या ड्राय स्कैल्प की समस्या नहीं, बल्कि ये हमारी लाइफस्टाइल, खान-पान, तनाव और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़ी होती है। अगर बार-बार डैंड्रफ लौट रही है, तो यह शरीर के अंदर चल रही किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। स्कैल्प की हेल्थ सीधे हमारी इम्यूनिटी, डाइट और मेंटल स्ट्रेस से जुड़ी होती है। ऐसे में सिर्फ शैम्पू बदलना समाधान नहीं है, बल्कि असली वजह को पहचानना जरूरी है, तभी डैंड्रफ से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

जरूरत से ज्यादा या कम शैंपू करना

बहुत लोग रोजाना बाल धोते हैं, जिससे स्कैल्प का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और ड्राईनेस बढ़ती है। वहीं कुछ लोग हफ्तों तक बाल नहीं धोते, जिससे गंदगी और ऑयल जमा होकर फंगस को बढ़ावा देता है। दोनों ही हालात में रूसी लौटती है।

गलत शैंपू का चुनाव

हर डैंड्रफ एक जैसी नहीं होती, इसलिए हमेशाा हेयर टाइप के हिसाब से ही शैंपू खरीदें।

कॉस्मेटिक शैंपू सिर्फ ऊपर की सफाई करते हैं, फंगस को नहीं मारते।

इसलिए कुछ दिन आराम मिलता है, फिर रूसी वापस आ जाती है।

तेल लगाकर घंटों छोड़ देना

तेल स्कैल्प के लिए जरूरी है, लेकिन ज्यादा देर तक तेल रहने से फंगस को खाना मिल जाता है।

इसका नतीजा होता है- खुजली, सफेद परत और चिपचिपी रूसी।

गीले बाल बांधना या ढकना

गीले बालों में नमी बनी रहती है, जो बैक्टीरिया और फंगस के लिए परफेक्ट माहौल बनाती है।

खासकर महिलाएं ये गलती ज्यादा करती हैं, इसलिए बालों को तुरंत खोल लें।

द 50 रियलिटी शो: 50 सेलेब्स की फाइनल लिस्ट आई सामने, 1 फरवरी से होगा प्रीमियर

रियलिटी शो द 50 को लेकर दर्शकों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। यह शो 1 फरवरी से जियोहॉटस्टार और कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। बैनिजे के ग्लोबल

हिट फॉर्मेट पर आधारित इस शो में टीवी, फिल्मों, म्यूजिक, स्पोर्ट्स और डिजिटल वर्ल्ड से जुड़े 50 चर्चित सेलेब्रिटी हिस्सा ले रहे हैं। शो को मुंबई में बनाए गए एक भव्य पैलेस सेट में शूट किया गया है, जहां 26 दिनों तक कंटेस्टेंट्स को फिजिकल, मेंटल और इमोशनल चौलेंजेस का सामना करना होगा। गेम की कमान एक रहस्यमयी गेम मास्टर द लायन के हाथ में होगी, जो पूरे खेल की दिशा तय करेगा।

सिवेट तोमर
नेहल चूड़सामा
कृष्णा श्रॉफ
सपना चौधरी
निक्की तंबोली
अरबाज पटेल
वंशज सिंह
प्रिंस नरूला
युविका चौधरी
अर्चना गौतम
बेबिका धुर्वे
रजत दलाल
जान्हवी किल्लेकर
यंग सैमी
अदनान शेख
लक्ष्य कौशिक
अर्चित कौशिक
दिग्विजय राठी
नतालिया जानोशेक
खानजादी
फैज बलोच
रचित रोजहा
सिद्धार्थ भारद्वाज
डिनो जेम्स
आर्या जाधव (फज्ञ)
सौरभ घाडगे
मनीषा रानी
आरुषि चावला
रिद्धिमा पंडित
श्रुतिका अर्जुन
भाव्या सिंह
तेजस्वी मडिवाडा
इम्मॉर्टल काका

देश-दुनिया में खूब नाम कमाते हैं इस मूलांक के लोग, इन पर गुरु की कृपा हमेशा रहती हैं

अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मूलांक (डनसंदा) से हर व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवन के गुणों का पता लगाया जा सकता है। हर मूलांक की अपनी खासियत होती है और इसके अनुसार व्यक्ति की सफलता, सोच और स्वभाव पर असर पड़ता है। आज हम जानेंगे मूलांक 3 वाले लोगों के बारे में खास बातें। मूलांक 3रू किसी भी महीने की 3, 12, 21 या 30 तारीख को जन्म लेने वाले लोग मूलांक 3 के होते हैं। इनका स्वामी ग्रह है गुरु

रचनात्मक और कल्पनाशील

मूलांक 3 वाले लोग अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता के लिए जाने जाते हैं।

कला, संगीत, लेखन और अन्य क्रिएटिव क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

नई चीजें सोचने और उन्हें बनाने की क्षमता रखते हैं।

इसी हुनर की वजह से ये लोग देश-दुनिया में नाम कमाते हैं।

सामाजिक और मिलनसार

मूलांक 3 वाले लोग बहुत सामाजिक और मिलनसार होते हैं।

आसानी से दोस्त बनाते हैं और नए लोगों से मिलना पसंद करते हैं।

दूसरों की मदद करने और लोगों को खुश रखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

ये लोग हमेशा व्यस्त रहते हैं और कुछ न कुछ क्रिएटिव काम करते रहते हैं।

सकारात्मक सोच

मूलांक 3 के लोग आशावादी और उत्साही रहते हैं।

इनकी सकारात्मक सोच उन्हें मुश्किल हालात में भी हिम्मत देती है।

जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और समस्याओं का सामना हंसते हुए करते हैं।

अपनी ऊर्जा से यह लोग अपने आसपास के लोगों को प्रभावित और प्रेरित करते हैं।

समस्याओं को सुलझाने में माहिर

मूलांक 3 वाले लोग बुद्धिमान और चतुर होते हैं।

किसी भी समस्या को हल करने में कुशल होते हैं।

अपनी बुद्धि का उपयोग दूसरों की मदद करने और जीवन में सफल होने के लिए करते हैं।

गुरु की कृपा से यह लोग हर क्षेत्र में सफल और सम्मानित रहते हैं।

इनका व्यक्तित्व चुंबकीय होता है और लोग उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

मूलांक 3 वाले लोग रचनात्मक, मिलनसार, सकारात्मक और बुद्धिमान होते हैं। गुरु की कृपा से ये हर क्षेत्र में सफल रहते हैं और अपने व्यक्तित्व से दूसरों को प्रभावित करते हैं।

जल्द शादी के लिए महाशिवरात्रि की रात करें ये छोटा सा उपाय, हर अड़चन हो जाएगी दूर

शिव भक्तों के लिए फरवरी का महीना काफी अहम होता है, क्योंकि इसी महीने महाशिवरात्रि का पावन त्यौहार जो मनाया जाता है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। महा शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं जिन लोगों के विवाह में देरी हो रही है वह इस पावन पर्व पर एक खास उपाय कर सकते हैं जो सभी बाधाओं को दूर कर सकते हैं।

कब है महाशिवरात्रि ?

पंचांग के अनुसार जिस फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि का पर्व पड़ता है, वह इस साल 15 फरवरी 2026 की शाम को 05.04 बजे से प्रारंभ होकर 16 फरवरी 2026 को 05.34 बजे समाप्त होगी। इस तरह महाशिवरात्रि का पावन पर्व 15 फरवरी 2026 को मनाया जाएगा

शिवलिंग पर विशेष अभिषेक

महाशिवरात्रि की रात को शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध अर्पित करें। केसर शुक्र और गुरु दोनों ग्रहों को मजबूत करता है, जो विवाह के कारक माने जाते हैं। इसके बाद शिवलिंग पर सफेद फूल और बेलपत्र अर्पित करें। हर बेलपत्र रखते समय ओमः नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। मान्यता है कि इससे विवाह में आ रही अड़चनें दूर होती हैं

पार्वती-शिव का पूजन (खासकर कन्याओं के लिए)

इस दिन शिव-पार्वती की संयुक्त पूजा करें। माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाएं और मन में योग्य जीवनसाथी की प्रार्थना करें इसे कन्या विवाह योग के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। शिवरात्रि के दिन या अगले दिन सफेद कपड़े, चावल, दूध या मिठाई का दान करें। दान करते समय मन में विवाह सुख की कामना रखें व्रत और सात्विकता अगर संभव हो तो इस दिन शिवरात्रि का व्रत रखें। दिनभर सात्विक भोजन करें, क्रोध और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। ब्रह्मचर्य और शुद्ध आचरण का पालन करें।

लिवर को खराब कर देती हैं दिनचर्या की ये आदतें, डॉक्टर ने दिए ये बड़े सुझाव

हमारे देश की एक बड़ी आबादी लिवर से संबंधित समस्याओं से परेशान हैं। जब भी लिवर के खराब होने बात होती है अक्सर लोगों को लगता है कि सिर्फ शराब की वजह से ये समस्या होती है। मगर डॉक्टर ने इसी विषय कुछ ऐसी बातें बताई हैं जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। आज के समय में हर तीन में से एक व्यक्ति 'फैटी लिवर' की समस्या से जूझ रहा है, और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसकी चपेट में वे लोग भी आ रहे हैं जो शराब का सेवन बिल्कुल नहीं करते। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे

की सबसे बड़ी वजह हमारी दिनचर्या में दिखने वाली कुछ साधारण सी गलतियां होती हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना चाहिए। अक्सर हम जाने-अनजाने में अपनी थाली में जो 'मिठास' और 'नमक' शामिल करते हैं, वह धीरे-धीरे लिवर की कोशिकाओं को फैट के ढेर में बदल देता है। यह स्थिति न सिर्फ पाचन तंत्र को बिगाड़ती है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी धीमा कर देती है। इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके बताया है कि कौन-सी आदतें लिवर डैमेज को बढ़ावा देती हैं। लिवर को डैमेज होने से बचाने के लिए उन आदतों को तुरंत छोड़ना जरूरी है जिन्हें हम अक्सर 'हेल्दी' या 'सामान्य' समझ लेते हैं।

मीठे पेय और फ्रूट जूस कैसे पहुंचाते हैं लिवर को नुकसान?

बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद फ्रूट जूस और स्वीट ड्रिंक्स में 'फ्रक्टोज' की भारी मात्रा होती है। जब आप इनका सेवन करते हैं, तो यह फ्रक्टोज सीधे लिवर में पहुंचता है और फैट जमा करने का काम शुरू कर देता है। डॉक्टर शालिनी के मुताबिक ये ड्रिंक्स लिवर के लिए शराब जितनी ही घातक साबित हो सकती हैं।

जंक फूड और नेचुरल सप्लीमेंट्स के ओवरडोज का खतरा

चिप्स और अचार जैसे अधिक नमक वाले जंक फूड लिवर फाइब्रोसिस का रिस्क कई गुना बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, गिलोय या ग्रीन टी जैसे नेचुरल सप्लीमेंट्स का बिना डॉक्टरी सलाह के अत्यधिक सेवन भी लिवर को डैमेज कर सकता है।

सेडेंटरी लाइफस्टाइल और प्रोसेस्ड मीट का लिवर पर प्रहार

एक सेडेंटरी लाइफस्टाइल धीरे-धीरे लिवर पर फैट जमा करने लगती है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस पैदा होता है। इसके साथ ही, प्रोसेस्ड मीट में मौजूद नाइट्रेट्स लिवर में जलन पैदा करते हैं। यह कॉम्बिनेशन लिवर के लिए किसी 'जहर' से कम नहीं है, जो फैटी लिवर की समस्या को गंभीर बना देता है।

आदतों में बदलाव क्यों जरूरी?

लिवर की सेहत आपके हाथों में है। यह खबर हमें सचेत करती है कि शराब न पीना ही काफी नहीं है, बल्कि सही खान-पान और एक्टिव रहना भी जरूरी है। प्रोसेस्ड फूड को छोड़ें, पानी की मात्रा बढ़ाएं और नियमित वर्कआउट करें। आपका आज किया गया छोटा सा बदलाव आपके लिवर को भविष्य के बड़े खतरों से बचा सकता है। सजग रहें, क्योंकि हेल्दी लिवर ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

सर्दी का मौसम है तो घर पर ही तैयार करें स्वादिष्ट नाश्ता, ये पकवान आएंगे सबको पसंद

सर्दी का मौसम आते ही भूख कुछ ज्यादा ही लगने लगती है और मन करता है कुछ गर्म, स्वादिष्ट और घर पर बना हुआ खाने का। ठंडी सुबह में बाहर का तला-भुना खाना भले ही स्वादिष्ट लगे, लेकिन सेहत के लिए

हमेशा सही नहीं होता। ऐसे में अगर घर पर ही आसान और टेस्टी नाश्ता तैयार हो जाए, तो दिन की शुरूआत भी शानदार हो जाती है। सर्दियों में ऐसे नाश्ते बेहतर माने जाते हैं जो शरीर को गर्म रखें, एनर्जी दें और लंबे समय तक पेट भरा रखें। अच्छी बात यह है कि इसके लिए ज्यादा मेहनत या महंगे सामान की जरूरत नहीं होती। कुछ साधारण सामग्री से ही आप स्वाद और सेहत दोनों का ध्यान रख सकते हैं। चाहे बच्चों का टिफिन हो, ऑफिस जाने की जल्दी या वीकेंड की आरामदायक सुबह–घर पर बने ये सर्दियों के नाश्ते हर मौके के लिए परफेक्ट हैं।

आलू पराठा

आलू पराठा सर्दियों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला नाश्ता माना जाता है।

उबले हुए आलू में हरी मिर्च, धनिया, अदरक और मसाले मिलाकर बनाया गया ये पराठा शरीर को गर्माहट देता है।

ऊपर से मक्खन लगाने पर इसका स्वाद और भी लाजवाब हो जाता है।

इसे दही, अचार या मक्खन के साथ परोस सकते हैं।

ओट्स उपमा

ओट्स उपमा हेल्दी और हल्का नाश्ता है, जो वजन का ध्यान रखने वालों के लिए भी बेहतरीन विकल्प है।

इसमें फाइबर भरपूर होता है, जिससे पाचन तंत्र मजबूत रहता है।

आप इसमें गाजर, मटर, बीन्स जैसी सब्जियां मिलाकर इसे और पौष्टिक बना सकते हैं।

ये जल्दी तैयार हो जाता है और सर्दियों की सुबह के लिए एक परफेक्ट नाश्ता है।

सूजी का हलवा

सूजी का हलवा सर्दियों में खास तौर पर पसंद किया जाता है।

ये शरीर को तुरंत गर्मी और एनर्जी देता है।

घी में बनी सूजी, चीनी और ड्राई फ्रूट्स मिलकर इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाते हैं।

ये बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी अच्छा विकल्प है और ठंड में तुरंत ताकत देता है।

ब्रेड पकोड़ा

ब्रेड पकोड़ा ठंडी सुबह का सबसे पसंदीदा स्ट्रीट-स्टाइल नाश्ता है।

आलू के मसाले से भरी ब्रेड को बेसन के घोल में डुबोकर तला जाता है, जो बाहर से कुरकुरा और अंदर से नरम होता है।

मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने 19 महीने के बच्चे को जन्मजात किडनी और गॉल ब्लैडर की बीमारी से मुक्त कर दी नई जिंदगी

लखनऊ (संवाददाता)। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, लखनऊ के डॉक्टरों ने नेपाल से आए 19 महीने के एक बच्चे का सफल इलाज कर उसे नई जिंदगी दी। बच्चे में किडनी और गॉल ब्लैडर से जुड़ी जन्मजात और बेहद दुर्लभ बीमारियां एक साथ पाई गई थीं, जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई थी। बच्चे में हॉर्सशू किडनी की समस्या थी, जिसमें दोनों किडनियां आपस में जुड़कर घोड़े की नाल जैसी बन जाती हैं। इसके साथ ही बच्चे को दोनों किडनियों में बाइलेटरल यूरेटर पेल्विक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन (यूपीजेओ) था, यानी किडनी से पेशाब निकलने के रास्ते में रुकावट। इस रुकावट के कारण दोनों किडनियां बहुत अधिक सूज गई थीं और बच्चे के पेट का बड़ा हिस्सा घेर चुकी थीं, जिससे किडनी खराब होने का गंभीर खतरा बन गया था। इसके अलावा बच्चे के गॉल ब्लैडर में पथरी और कॉमन बाइल डक्ट (सीबीडी) में भी पथरी पाई गई। नेपाल में कई अस्पतालों में दिखाने के बावजूद बच्चे की कम उम्र और बीमारी की जटिलता को देखते हुए सर्जरी को संभव नहीं माना गया। इसके बाद परिजन बच्चे को मैक्स अस्पताल, लखनऊ लेकर आए, जो उन्नत बाल यूरोलॉजी और कम चीरे वाली सर्जरी के लिए जाना जाता है।

टूनार्मेंट के बहिष्कार की जगह अब भारत से मैच नहीं खेलेगा पाकिस्तान, इन दो मुकाबलों के बाद करेगा फैसला ?

दुबई । पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में भागीदारी और भारत के खिलाफ मैच को लेकर अनिश्चितता बनाए रखी है। पीसीबी

शुरूआती दो मैचों के बाद भारत के खिलाफ फॉरफिट का विकल्प चुन सकता है, लेकिन कानूनी व आर्थिक बाधाएं इसे मुश्किल बनाती हैं। प्रसारण करार और संभावित कानूनी कार्रवाई पीसीबी के लिए बड़ी चिंता हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की टी20 वर्ल्ड कप में भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद स्कॉटलैंड के ग्रुप सी में शामिल होने से स्थिति और उलझ गई। इसी बीच, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और अंतिम निर्णय इस सप्ताह घोषित होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का विकल्प भी खुला रखा है। पाकिस्तान की रणनीतिः पहले दो मैच होंगे निर्णायक टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान अपने शुरूआती दो मुकाबलों, नीदरलैंड (7 फरवरी) और अमेरिका (10 फरवरी) के बाद फैसला करेगा। यदि पाकिस्तान दोनों मैच जीतता है तो 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने की संभावना बढ़ सकती है। पीसीबी एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अगर पाकिस्तान ये दोनों मुकाबले जीतता है, तो भारत के खिलाफ फॉरफिट की संभावना मजबूत होगी।' इसका मतलब है कि पाकिस्तान डर गया है। टीम टूनार्मेंट तो खेलेगी, लेकिन अपने टीम के प्रदर्शन पर पीसीबी फैसला करेगा, क्योंकि उसे भरोसा नहीं है कि उसकी टीम ये दो मैच जीतेगी या नहीं। अगर नहीं जीतती है और एक भी मैच हारती है तो टूनार्मेंट में आगे बढ़ने और लाज बचाने के लिए उसे बेशर्मों की तरह इतना कुछ होने के बाद भारत के खिलाफ मैच खेलना पड़ेगा। पीसीबी को अभी कुछ फैसला लेने में झिझक हो रही है। अंतिम निर्णय सोमवार को आने की उम्मीद है, ठीक उस दिन जब लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खत्म होगी। पीसीबी की असंतुष्टि और प्रतीकात्मक प्रदर्शन की तैयारी रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी बांग्लादेश को टूनार्मेंट से बाहर किए जाने पर औपचारिक विरोध दर्ज कराने की योजना भी बना रहा है। बोर्ड आईसीसी को एक पत्र लिखकर इस फैसले पर असंतोष जताएगा और वर्ल्ड कप के दौरान प्रतीकात्मक विरोध की जानकारी भी देगा। रिपोर्ट में एक सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप के दौरान विरोध को लेकर आईसीसी को पत्र लिखने वाला है।' कानूनी और वित्तीय मुश्किलेंः ढउइ के लिए बढ़ी चिंता पूरी तरह से बहिष्कार या भारत से नहीं खेलने का फैसला कानूनी और आर्थिक रूप से जटिल है। पीसीबी के कानूनी सलाहकारों ने चेतावनी दी है कि यह प्रसारण समझौते पर गंभीर असर डाल सकता है। एक सूत्र ने कहा, 'नकवी को कानूनी सलाहकारों ने बताया है कि जियोस्टार स्पोर्ट्स (भारत) के साथ तीन बिलियन यूएस डॉलर का प्रसारण समझौता 2027 तक है, जिससे सभी आईसीसी सदस्य देशों को हिस्सा मिलता है। भारत से मैच न खेलने पर ब्रॉडकास्टर को भारी नुकसान होगा।' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'यदि पाकिस्तान बहिष्कार करता है तो प्रसारक आईसीसी पर हजार्ने का दावा करेगा, और आईसीसी आगे पीसीबी को नोटिस देगा। इससे सभी सदस्य देशों की वार्षिक फंडिंग पर असर पड़ेगा।' रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट में तो यहां तक दावा है कि पाकिस्तान 348 करोड़ रुपये के कानूनी मामले में फंस सकता है। उसे भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की भी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। फैसले का इंतजार ! पाकिस्तान अभी भी राजनीतिक, कानूनी और वित्तीय पक्षों को तौल रहा है। भारत से मैच न खेलने का विकल्प खुला है, लेकिन इसका असर केवल पीसीबी पर ही नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट संरचना पर भी पड़ सकता है। अब निगाहें पाकिस्तान के शुरूआती दो मैचों और सोमवार को होने वाली अंतिम घोषणा पर टिकी होंगी।

सूर्यकुमार सातवें स्थान पर, अभिषेक शीर्ष पर कायम; ईशान, दुबे और रिंकू ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं ईशान किशन, शिवम दुबे और रिंकू सिंह सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने टी20 रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई। वहीं, हार्दिक पांड्या ऑलराउंडरों में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय

कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को आईसीसी की पुरुष टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत ने इस सीरीज के अब तक खेले गए तीनों मैच जीत लिए हैं। एक समय टी20 रैंकिंग में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मुकाबलों में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। अभिषेक शीर्ष पर बरकरार टी20 विश्व कप से पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, चोट के कारण तिलक वर्मा इस श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं। रायपुर में खेले गए दूसरे मैच में 32 गेंदों पर 76 रन की शानदार पारी खेलने वाले ईशान किशन ने रैंकिंग में दोबारा प्रवेश करते हुए 64वां स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, शिवम दुबे नौ पायदान ऊपर चढ़कर 58वें और रिंकू सिंह 13 स्थान की छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान दो पायदान ऊपर चढ़कर 13वें, जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज तीन पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे दरवेश रसूली ने 29 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 87वां स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्क्रम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में खेली गई 47 गेंदों पर नाबाद 86 रन की पारी के दम पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाई है। वहीं, वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग 15 पायदान ऊपर चढ़कर 35वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 18 स्थान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मुसेटी के हटने से जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंचे ; रयबाकिना और पेगुला की भी अंतिम चार में एंट्री

मेलबर्न । रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का भाग्य ने साथ दिया और वह बुधवार को मेलबर्न में लोरेंजो मुसेटी के पहले दो सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में चोट के कारण मैच से हटने से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी चोट के कारण टूनार्मेंट से हट गए। मुसेटी ने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे। जोकोविच ने कहा, 'मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।' पांचवें गेम में डबल फॉल्ट करने के बाद जोकोविच को ब्रेकप्वाइंट का एक और मौका मिला। मुसेटी ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा, वह नेट की ओर गए और फिर अपना हेडबैंड उतार दिया। उन्होंने जोकोविच से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चले गए। पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी मुसेटी बाएं पैर की चोट के कारण मैच से हट गए थे। तब उन्होंने आखिर में चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज

से एक सेट जीत लिया था। सेमीफाइनल में जोकोविच का मुकाबला दो बार के मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर और आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। जोकोविच को पिछले दौर में याकूब मेनसिक के चोट के कारण मैच से एक दिन पहले हट जाने से वाकओवर मिला था। इस तरह से पिछले दो मैच में उन्हें लगभग दो सेट में ही खेलने का मौका मिला है। महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल एरिना सबालेंका ओर एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में हैं जबकि स्वितोलिना पहली बार इस टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। पेगुला को उम्मीद है कि वह पिछले साल यहां कीज के प्रदर्शन को दोहराते हुए ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगी। उन्होंने कहा, 'मैं उस समय का इंतजार कर रही थी जब मैं अपनी प्रतिभा को निखार सकूं। मुझे लगता है कि मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करती हूं। मुझे यहां की परिस्थितियां पसंद हैं।' रूस में जन्मीं लेकिन कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली रयबाकिना ने स्वियातेक के करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के अभियान पर विराम लगाया। उन्होंने कहा, 'अब मैं पहले से ज्यादा शांत हूं। जब आप टूनार्मेंट में इतना आगे तक पहुंच जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से आप ज्यादा भावुक होते हैं। अब मुझे लगता है कि मैं बस अपना काम कर रही हूं।

हरे निशान पर खुला भारतीय बाजार; सेंसेक्स 647 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। वहीं पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक उछलकर 81,857.48 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक की बढ़त के साथ 25,175.40 पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते बुधवार को शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी आई और पिछले दिन की तेजी जारी रही। शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 646.49 अंक बढ़कर 82,503.97 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 196.7 अंक बढ़कर 25,372.10 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक में गिरावट और भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक व्यापार समझौते के चलते बुधवार को शुरूआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। अन्य पिछड़ने वालों में मारुति, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शामिल थे। एशियन पेंट्स के शेयरों में आई छह प्रतिशत की गिरावट एशियन पेंट्स के शेयरों में लगभग 6 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल आधार पर 4.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 1,073.92 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नए श्रम संहिता के कार्यान्वयन और एक सहायक कंपनी में हुए नुकसान के मूल्यह्रास जैसी असाधारण मदों के कारण हुई। भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ पूरा भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे ₹सभी समझौतों की जननी₹ कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार और रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा का अनावरण किया। अधिकारियों के अनुसार, मुक्त व्यापार समझौता, जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार होगा, यूरोपीय संघ को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत पर टैरिफ कम करेगा और यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात के 97 प्रतिशत से अधिक पर शुल्क में कटौती करेगा। विदेशी निवेशकों ने बिकवाली रखी जारी जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि वित्तीय और आर्थिक रूप से सक्षम (एफआईआई) निवेशकों ने नकदी बाजार में 3,068 करोड़ रुपये की बिकवाली जारी रखी। वहीं, वित्तीय रूप से मजबूत शेयरों की खरीददारी करने वाले (डीआई) निवेशकों ने आक्रामक रूप से 8,999 करोड़ रुपये खर्च किए। भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, जो दीर्घकालिक दृष्टि से एक बड़ा सकारात्मक कदम है, निवेशक अब 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला हाल एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स ऊपर कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स नीचे कारोबार कर रहा था। मंगलवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 67.92 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत बढ़कर 67.92 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 3,068.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उनसे कहीं अधिक 8,999.71 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

'जनता के लिए समर्पित नेता अब हमारे बीच नहीं', अजित पवार के निधन पर भावुक हुए सचिन तेंदुलकर

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में हो गई। इस घटना से देश भर में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अजित पवार के निधन पर दुख जताया है। खेल जगत से भी इस पर प्रतिक्रियाएं

आ रही हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के अचानक हुए निधन ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। राजनीतिक गलियारों से लेकर आम लोगों तक शोक की लहर फैल गई है। इसी बीच भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी गहरे दुख में डूबे नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए अजित पवार को एक समर्पित, जनता से जुड़ा और राज्य की सेवा में जुटे रहने वाला नेता बताया। सचिन के मुताबिक, अजित पवार का जाना महाराष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। सचिन तेंदुलकर ने जताया दुख सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'अजित पवार के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। महाराष्ट्र ने अचानक एक ऐसे अच्छे और समर्पित नेता को खो दिया है, जिन्होंने राज्य के लिए काम किया, पूरे राज्य में जनता के लिए काम किया। मैं पवार परिवार के दुख में सहभागी हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। हार्दिक संवेदनाएं। ॐ शांति।' कैसे हुआ हादसा न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, लियरजेट-45 (छींश्नीइ 45, रजिस्ट्रेशन श्ळ-ररड) विमान, जिसे निजी ऑपरेटर वीएसआर (शरफ) संचालित कर रहा था, बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा बुधवार सुबह पौने नौ बजे के आसपास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मी पहुंच गए, लेकिन किसी को जीवित नहीं बचाया जा सका। विमान में कौन-कौन थे प्रारंभिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान में कुल पांच लोग सवार थे। इनमें शामिल थेः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार एक पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (ढरड) एक अटेंडेंट पायलट-इन-कमांड फर्स्ट ऑफिसर हादसे के बाद घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन शुरूआती जानकारी में ही स्पष्ट हो गया कि कोई भी जीवित नहीं बचा। प्रारंभिक जांच और प्रशासनिक प्रतिक्रिया निदेर्शालय नागरिक उड्डयन ने इस दुर्घटना को लेकर जांच के आदेश दे दिए हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में लचीलापन बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक सोच की जरूरत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार को अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला और संकटों के प्रति मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक हालात भारत समेत पूरी दुनिया के लिए बेहद खतरनाक समय हैं। बजट सिर्फ सालान योजनाओं तक नहीं होनी चाहिए राजन ने कहा कि पहले भारत में पंचवर्षीय योजनाएं हुआ करती थीं, लेकिन तब भी बजट को उनसे प्रभावी ढंग से नहीं जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि 2026-27 का बजट सिर्फ सालाना योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह दिखाना चाहिए कि भारत किस तरह अधिक लचीला, स्वतंत्र और तेजी से

बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है। राजन ने उम्मीद जताई कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में ऐसे सुधारों की दिशा तय करेंगी, जो भारत को वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच मजबूती देंगे। उन्होंने कुछ जरूरी सुझाव दिए एआई में भारी निवेश जैसे अवसर मौजूद हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा वैश्विक शक्तियों पर अत्यधिक निर्भरता भारत को कमजोर भी बना सकती है। भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए कुछ टैरिफ दरों में कटौती करनी पड़ सकती है और राज्यों को निवेश के अनुकूल नीतियां बनाने की दिशा में और कदम उठाने होंगे। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन उसे अपने पड़ोसी देशों बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल सहित ज्यादा से ज्यादा देशों के साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध मजबूत करने होंगे। अमेरिका के साथ जारी व्यापारिक तनाव पर क्या बोले? अमेरिका के साथ व्यापार तनाव पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अगर तनाव और बढ़ता है, तो भारत को बाहरी शोर से कुछ समय के लिए दूरी बनाकर अपनी घरेलू आर्थिक सुधार प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1990 और 2000 के दशक की शुरूआत में हुए बड़े सुधारों के बाद अब एक नए सुधार दौर की जरूरत है, ताकि भारत की विकास दर में 2 प्रतिशत तक की अतिरिक्त वृद्धि की जा सके।

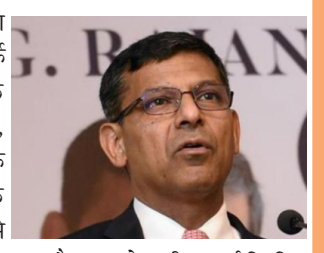

नई ऊंचाई पर पहुंचे सोना-चांदी के भाव, जानें सराफा बाजार में आज का अपडेट

नई दिल्ली। सोना और चांदी दोनों के दाम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। इसकी वजह दुनिया भर में चल रहा तनाव, व्यापार विवाद और लोगों का सुरक्षित निवेश की तरफ रुख करना है। भारत में सोना करीब ?1.62 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी ?3.77 लाख प्रति किलो तक पहुंच गई है। सोने और चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया रिकॉर्ड बनाया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिली।

खास बात यह रही कि चांदी ने लगातार एक और सत्र में सोने से बेहतर प्रदर्शन किया। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ से जुड़े मामले की सुनवाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी ब्याज दर फैसले को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी कारण निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। विश्लेषकों ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि इस सप्ताह कीमती धातुओं की कीमतें मजबूत बनी रह सकती हैं। भारत में सोना-चांदी के ताजा भाव घरेलू बाजार में नया रिकॉर्ड बनाते हुए आज सोने की कीमत ?1,62,429 प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का भाव ?3,77,655 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया ।वहीं इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को 99.9% शुद्धता वाला सोनाः ?1,59,027 प्रति 10 ग्राम पर रहा। 99.5% शुद्धता वाला सोनाः ?1,58,390 प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदीः 3,42,507 प्रति किलोग्राम पर रही। प्रमुख शहरों में सोने के भाव देश के प्रमुख महानगरों में 24 कैरेट सोने की कीमतें इस प्रकार रहीं- मुंबईः 1,58,170 प्रति 10 ग्राम कोलकाताः 1,57,960 प्रति 10 ग्राम दिल्लीः 1,57,900 प्रति 10 ग्राम चेन्नईः 1,58,630 प्रति 10 ग्राम हैदराबादः 1,58,420 प्रति 10 ग्राम बंगलूरूः 1,58,300 प्रति 10 ग्राम दक्षिण भारत के बाजारों में सोने की कीमतें देश के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक बनी हुई हैं।

टेनिस खिलाड़ियों के साथ चिड़ियाघर के जानवरों जैसा व्यवहार, इगा ने गॉफ को क्यों सही ठहराया ?

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस बार केवल रैकेट और रैली ही चर्चित नहीं हैं, बल्कि एक बड़ा सवाल उभर आया है 'ा क्या टेनिस खिलाड़ियों की निजता का हनन हो रहा है? इस मुद्दे की शुरूआत अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने की, और फिर विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक ने इसे और मजबूती से उठाया। गॉफ का दर्दः हर जगह कैमरे और 'निजता' का अभाव गॉफ हाल ही में क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुईं और कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ती दिखीं। उनका वीडियो वायरल हुआ, जिस पर उन्होंने असंतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को लगभग लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक हर जगह कैमरों द्वारा ट्रैक किया जाता है। गॉफ ने माना कि उन्हें कभी-कभी ऐसे पलों को निजी रखना होता है, लेकिन कैमरों की वजह से यह असंभव हो जाता है। उन्होंने बताया, 'ऐसा ही कुछ मेरे साथ यूएस ओपन फाइनल के बाद हुआ था... मुझे लगा कहीं कैमरा नहीं होगा लेकिन फिर भी सब रिकॉर्ड हो गया।' स्वियातेक का समर्थन और चिड़ियाघर वाला सवाल इसी मुद्दे पर स्वियातेक से हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है?' हालांकि, उन्होंने यह स्वीकारते हुए माफी भी मांगी कि यह तुलना अतिशयोक्ति है, लेकिन उनका मूल मुद्दा साफ था कि खिलाड़ियों को कम से कम कुछ सुरक्षित निजी स्थान मिलने चाहिए। स्वियातेक ने यह भी कहा कि मैच से ठीक पहले वे कुछ तकनीकी चीजों की प्रैक्टिस करना चाहती हैं, जो वे कैमरों के सामने नहीं करना चाहतीं। सुरक्षा बनाम निजताः पहचान पत्र वाला विवाद हाल ही में स्वियातेक एक और वायरल वीडियो की वजह से चर्चा में रहीं। उन्होंने अपना पहचान पत्र भूल लिया, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। दुनिया की सबसे बड़ी टेनिस स्टार्स में शामिल होने के बावजूद उन्हें प्रोटोकॉल का पालन करना पड़ा।

अजित पवार के निधन पर मायावती ने जताया दुख

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं दयविदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा,प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकसंतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।

भूमि पेडनेकर की दलदल, डीसीपी रीटा फरेरा के शांत लेकिन गहरे किरदार में दिखेगी एक नई परत

भूमि सतीश पेडनेकर अपनी आने वाली सीरीज दलदल के साथ एक बार फिर अपने गंभीर और मजबूत किरदार में नजर आने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के मनोभावों को समझने के लिए गहराई से काम किया। निमार्ता सुरेश त्रिवेणी के साथ उनके कई स्वस्थ और दिलचस्प बहसें भी हुईं, क्योंकि रीटा का स्वभाव शांत, नियंत्रित और कम भाव दिखाने वाला है। यह सीरीज विश धमिजा की बेस्टसेलर किताब भेंडी बाजार पर आधारित है। भूमि ने बताया कि जब उन्होंने दलदल की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उनका पहला रिएक्शन क्या था। उन्होंने कहा कि रीटा का अंदर ही अंदर सब कुछ महसूस करने वाला स्वभाव समझना आसान नहीं था। इसी वजह से उन्हें इस किरदार को पूरी तरह समझने में 4,5 महीने लग गए। इस दौरान वह सुरेश त्रिवेणी के साथ लगातार चर्चा और बहस करती रहीं, ताकि रीटा के व्यक्तित्व को सही तरीके से समझ सकें। भूमि ने एक उदाहरण देते हुए कहा, जैसे जब रीटा पहली बार एक डेड बॉडी देखती है, तो वह सोचती है ह्न क्या मैंने यह किया है? क्या हो रहा है? मुझे लगा शायद वह उल्टी कर देगी। लेकिन सुरेश ने कहा, नहीं। वह उल्टी नहीं करेगी, क्योंकि यही सबसे आम प्रतिक्रिया होती है। फिर मैंने पूछा, तो मैं क्या करूं? मुझे कैसे रिएक्ट करना चाहिए? भूमि का कहना है कि दलदल की यह यात्रा उनके लिए रचनात्मक रूप से बेहद संतोषजनक रही। उन्होंने बताया, ऐसे कई छोटे-छोटे पहलू थे जो सेट पर अलग तरीके से सामने आए। यहां तक कि जब भी रीटा अपनी मां से मिलती है, तो उसकी प्रतिक्रिया हर बार अलग होती है। उसका भावनात्मक दायरा बहुत सीमित है, इसलिए मुझे उसी के भीतर रहकर रचनात्मक होना पड़ा।

भारती सिंह ने किया दूसरे बेटे का नामकरण, शेयर कीं प्यारी तस्वीरें; सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

भारती सिंह ने हाल ही में अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। वहीं आज उन्होंने अपने दूसरे बेटे का नामकरण किया और अपने फैंस के जश्न की कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिन पर सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी है। लाफ्टर क्वीन भारती सिंह और पति हर्ष लिम्बाचिया ने आज सोशल मीडिया पर अपने दूसरे बेटे के नाम की घोषणा की और साथ ही जश्न की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में भारती का बड़ा बेटा गोला छोटे भाई को गोद में उठाए बेहद प्यार से निहारता नजर आ रहा है। भारती सिंह ने क्या रखा है

दूसरे बेटे का नाम? भारती सिंह ने आज इंस्टाग्राम पर अपने दोनों बेटों और पति हर्ष के साथ कई प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। ये सभी तस्वीरें दूसरे बेटे के नामकरण के जश्न की हैं। भारती ने अपने दूसरे बेटे का नाम यशवीर (?ँ५ीी१) रखा है। 'यशवीर' नाम का अर्थ प्रसिद्धि और गौरव से जुड़ा होता है। सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं भारती के बड़े बेटे का नाम लक्ष्य और छोटे बेटे का नाम यशवीर है। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी, टीवी एक्ट्रेस किश्वर राय मर्चेंट, ईशा सिंह, अदा खान ने भारती की इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने लिखा, 'अति सुंदर'। एक फैन ने लिखा, 'लक्ष्य और यशवीर अच्छा नाम है बहुत प्यारा'। दूसरे फैन ने लिखा, 'यशवीर बहुत अच्छा नाम है और यशवीर को बहुत सारा प्यार और आप सबको भी प्यार।' भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के बारे में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया की जोड़ी कमाल की है। दोनों कई लोकप्रिय कॉमेडी शोज का हिस्सा रह चुके हैं। 3 दिसंबर 2017 को शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े के दो बच्चे हैं। दोनों ने मिलकर अपनी 'ल्ल3 प्रोडक्शंस' नाम की प्रोडक्शन कंपनी भी शुरू की है। वे 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे कई शो में एक साथ दिखाई दिए हैं। दोनों अपनी कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं। भारती के बड़े बेटे का नाम लक्ष्य और छोटे बेटे का नाम यशवीर रखा है।

रणवीर सिंह की धुरंधर ने रचा इतिहास, भारत में 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

रणवीर सिंह ने धुरंधर के साथ हिंदी सिनेमा के बॉक्स ऑफिस इतिहास को नया रूप दे दिया है। वह भारत में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म को लीड करने वाले पहले बॉलीवुड अभिनेता बन गए हैं। इससे पहले भी वह अपनी पीढ़ी के एकमात्र स्टार थे, जिनकी फिल्म 1000 करोड़ वर्ल्डवाइड क्लब में शामिल हुई थी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ रणवीर अब बाहुबली, केजीएफ और पुष्पा जैसी फिल्मों की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैंकृऐसी फिल्में जिन्होंने सिर्फ सफलता नहीं पाई, बल्कि थिएटर बिजनेस का स्तर ही बदल दिया। आंकड़े इस उपलब्धि की बड़ी तस्वीर दिखाते हैं। धुरंधर ने भारत में करीब 891 करोड़ का नेट कलेक्शन किया, जो ग्रॉस में लगभग 1052 करोड़ बैठता है। फिल्म का असर सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहाकृओवरसीज से भी इसने करीब 298 करोड़ कमाए। इस तरह फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1350 करोड़ तक पहुंच गया। ये आंकड़े धुरंधर को सिर्फ ब्लॉकबस्टर नहीं, बल्कि एक बड़ा सिनेमाई घटनाक्रम साबित करते हैं। ऐसे दौर में जहां सफलता अक्सर थोड़े समय की होती है, रणवीर सिंह ने एक ऐसा पल दिया है जो एक पूरे दौर को परिभाषित करता है। फिल्म में हम्जा के किरदार में उन्होंने दर्शकों के बीच ऐसा जोश पैदा किया कि इसे अब हम्जा फीवरह्न कहा जा रहा है। यह किरदार सिर्फ देखा नहीं गया, बल्कि हर उम्र और वर्ग के लोगों ने इसे अपनाया, चर्चा की और सेलिब्रेट किया। क्रिटिक्स और बॉक्स ऑफिसकृदोनों के लिहाज से धुरंधर एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई। रणवीर की परफॉर्मेंस में जबरदस्त तीव्रता और बड़े स्तर का आकर्षण था, जिसने साबित किया कि वह सिर्फ अपनी मौजूदगी से फिल्म को आगे ले जा सकते हैं। पार्ट 1 के अंत तक वह सिस्टम के भीतर मुकाबला नहीं कर रहे थेकृबल्कि अपनी अलग जगह बना चुके थे, जो सीधे रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गई। अब सबकी नजर धुरंधर 2 पर है, जहां उम्मीदें और भी ज्यादा हैं। जहां पहला पार्ट प्रभाव और भव्यता पर केंद्रित था, वहीं दूसरा पार्ट हम्जा के अतीतकृजसकीरत के रूप में उसकी कहानीकृको गहराई से दिखाने वाला है। इससे किरदार में भावनात्मक गहराई आएगी और दर्शकों को उस इंसान को समझने का मौका मिलेगा, जिसे उन्होंने इतने जुनून से फॉलो किया। अगर पार्ट 1 सत्ता और शो के बारे में था, तो पार्ट 2 विरासत और विस्तार की कहानी बनता दिख रहा है। अब सवाल तुलना या मुकाबले का नहीं रहा। अगर धुरंधर 2 भी पार्ट 1 की सफलता के करीब पहुंचती है, तो रणवीर सिंह पूरी तरह निर्विवाद जगह पर पहुंच जाएंगे। एक ऐतिहासिक सफलता पाना मुश्किल होता है, लेकिन उसे इस स्तर पर बनाए रखना उससे भी ज्यादा कठिन। धुरंधर के साथ रणवीर ने इसकी झलक दिखा दी है। आगे जो आने वाला है, वह उन्हें भारतीय सिनेमा के शिखर पर स्थायी रूप से स्थापित कर सकता है। बिना किसी सवाल के, बिना किसी बराबरी के, इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज।

रानी मुखर्जी की मदार्नी 3 ने जीता मनु भाकर का दिल, बताया धमाकेदार

रानी मुखर्जी की मदार्नी 3 का देश की बेटियों को बचाने का सशक्त और झकझोर देने वाला संदेश कई विचारशील और प्रभावशाली हस्तियों से गहराई से जुड़ रहा है। 23 वर्षीय भारतीय शूटिंग आइकन मनु भाकर कृ जो एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं कृ अब इस बेहद अहम फिल्म के समर्थन में सामने आई हैं। मनु ने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए लिखा, मदार्नी जैसी फिल्में हमें याद दिलाती हैं कि हम सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रह सकते। इंसान होने के नाते अपनी जिम्मेदारी निभाना जरूरी है। लड़कियों की सुरक्षा आज भी और हमेशा सबसे बड़ी जरूरत रहेगी। लड़कियों को आगे बढ़ने, अपने सपनों को साकार करने और खुश रहने के लिए सुरक्षित माहौल चाहिए। मुझे मदार्नी की सभी फिल्में हमेशा से पसंद रही हैं, लेकिन मदार्नी 3 तो पूरी तरह से धमाकेदार लग रही है!ह्व2024 ओलंपिक में मनु भाकर ने इतिहास रचते हुए 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। इसके बाद उन्होंने 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भी कांस्य पदक हासिल किया, जिससे वह एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। मनु वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय भी हैं। रानी मुखर्जी की मदार्नी 3 इंटरनेट पर छा गई है और हर तरफ से इसे सर्वसम्मत सराहना मिल रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर केंद्रित इस प्रशंसित फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी अब हमारे देश में निम्न-आय वर्ग की 8-9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण जैसे गंभीर मुद्दे को उजागर करेगी, जिन्हें एक विशेष कारण से निशाना बनाया जाता है। यश राज फिल्म्स द्वारा मदार्नी 3 का ट्रेलर रिलीज होते ही यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चर्चा बन गया है। रानी मुखर्जी को हर ओर से एकमत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, क्योंकि वह एक बार फिर अपनी बेहद लोकप्रिय भूमिका कृ शिवानी शिवाजी रॉय कृ में लौट रही हैं। एक निडर पुलिस अधिकारी के रूप में, वह समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए 93 लापता बच्चियों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल देती हैं। अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, मदार्नी 3 सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की फ्रेंचाइजी परंपरा को आगे बढ़ाती है।

विपुल अमृतलाल शाह की सस्पेंस और डर से भरा द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर आया सामने

हर फ्रेम में डर और सच्चाई समेटे विपुल अमृतलाल शाह की द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड ! का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। टीजर 30 जनवरी को आएगा। यह फिल्म बिल्कुल सच्ची घटनाओं और साफ सच से प्रेरित है। द केरल स्टोरी के जरिए कड़वी और झकझोर देने वाली सच्चाई सामने लाने वाले विपुल अमृतलाल शाह अब इससे भी आगे जाने के लिए तैयार हैं। द

केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जो हर फ्रेम में रोंगटे खड़े कर देने वाला, डरावना और गुस्से से भरा हुआ नजर आता है। विपुल अमृतलाल शाह की सबसे ज्यादा इंतेजार किया जाने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड का मोशन पोस्टर आखिरकार सामने आ गया है। इस बार मेकर्स उन सच्चाइयों को दिखाने का दावा कर रहे हैं, जो धोखे, इंसानियत और नफरत से भी आगे जाती हैं। मोशन पोस्टर में महिलाओं के आंसुओं, डर और गुस्से से भरे चेहरे नजर आते हैं, जो साफ इशारा करते हैं कि यह सीक्वल द केरल स्टोरी में दिखाए गए स्तर से कहीं ज्यादा हदें पार करने वाला है। यह बिना किसी शक अब तक के सबसे डरावने और बेचौन कर देने वाले मोशन पोस्टर्स में से एक है, जो फिल्म में सामने आने वाली खौफनाक सच्चाइयों की झलक देता है। बिना किसी समझौते के, यह मोशन पोस्टर सिनेमा के उस मकसद को साफ तौर पर पेश करता है, जिसमें दर्शकों के सामने कड़वी हकीकत को बेधड़क रखा जाता है। साथ ही इसमें टीजर की रिलीज डेट भी सामने आई है, जो 30 जनवरी को रिलीज होने वाला है। द केरल स्टोरी देश की उन बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक रही, जिसने लव जिहाद और कन्वर्जन जैसे मुद्दों पर बेबाक कहानी दिखाकर पूरे देश को झकझोर दिया था। यह फिल्म एक तरह से ब्लैक स्वान इवेंट बन गई और बाद में इसे दो कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड को सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता कमाख्य नारायण सिंह ने किया है, जबकि कहानी और स्क्रीनप्ले अमरनाथ झा और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखा है। फिल्म को आशिन ए. शाह ने को-प्रोड्यूस किया है। म्यूजिक मनन शाह ने दिया है और गानों के बोल मनोज मुनताशिर ने लिखे हैं। फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज डेट 27 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

कभी 'बॉर्डर' देखने तक के लिए नहीं थे पैसे, 'बॉर्डर 2' में नजर आए दिलजीत ने साझा किया किस्सा

अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'बॉर्डर' देखने का दिलचस्प किस्सा बताया है। उन्होंने बताया कि फिल्म का किस कदर क्रेज था। पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों हैं। फिल्म में उनकी अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने फिल्म 'बॉर्डर' 1997 देखने का किस्सा बताया है। इसके साथ उन्होंने 'बॉर्डर 2' का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। दिलजीत ने साझा किया 'बॉर्डर' देखने का किस्सा बुधवार को दिलजीत दोसांझ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा 'शोर बहुत था कि 'बॉर्डर' आई है। तब

घर वाले थिएटर में जाने नहीं देते थे। मेरे पास पैसे नहीं थे कि हम थियेटर में इसे देखें। फिर मैंने इसे टीवी पर देखा। मैंने दो तीन बार देखी है फिल्म। मुझे लगता था कि यह मेरे देश की फिल्म है। मेरे मोहल्ले में एक बंदा फिल्म देख कर आया था, वह बता रहा था कि फिल्म को लोग एंजॉय कर रहे थे। कमाल का माहौल था थिएटर में। उसकी बातें सुन कर मैं बहुत उत्साहित हो गया था। मैं सोच रहा था कि जब टीवी पर आएगी तब देखूंगा। फिर मैंने टीवी पर फिल्म देखी।' भगवान का शुक्रिया अदा किया उन्होंने आगे कहा 'अभी मेरी फीलिंग यह है कि जो भगवान दे रहा है मैं ले रहा हूं। मैं अपने आपको इस लायक नहीं समझता कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन पाऊं। हालांकि जो भी भगवान दे रहा है उसके लिए शुक्र है उसका। निर्मल जी का शुक्र है कि उन्होंने हमें ये मौका दिया।' ब्लॉकबस्टर थी 'बॉर्डर' फिल्म में दिलजीत ने परमवीर चक्र फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों का रोल निभाया है। 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। जबकि जेपी दत्ता की 'बॉर्डर' में सनी देओल, सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना और जैकी श्रॉफ थे। 1997 में रिलीज हुई यह फिल्म ब्लॉकबस्टर थी। 'आप आर्टिस्ट को मार रहे हैं', क्या फिल्ममेकर्स की इस बात को लेकर अब तक दुखी हैं अरिजीत सिंह? 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस 'बॉर्डर 2' पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 30 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके कलेक्शन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मंगलवार तक 200 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए हैं।

90 फीसदी नौकरियों पर जनरल केटेगरी का कब्जा-रामगोपाल

लखनऊ (संवाददाता)। हायर एजूकेशन में समानता और भेदभाव रोकने के उद्देश्य से यूजीसी के जारी किए प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 को लेकर देशभर में उबाल है। नियम के खिलाफ कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। राजनीतिक दलों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। समाजवादी पार्टी यूजीसी के समर्थन में खुलकर सामने आ गई है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यूजीसी ने कोई गलत काम नहीं किया है। इन नियमों को सही ठहराते हुए कहा कि ये उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता और न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। रामगोपाल यादव ने कहा कि इस बिल में कुछ भी गलत नहीं है। देश के 90 प्रतिशत नौकरियों पर जनरल केटेगरी काबिज है। देश में कितनी यूनिवर्सिटी पर ओबीसी के कुलपति हैं ?केवल एक या दो। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के तो एक भी नहीं।रामगोपाल यादव का बयान ऐसे समय में आया है जब यूजीसी के इन नियमों को लेकर सवर्ण समुदाय से जुड़े संगठनों और छात्रों की ओर से विरोध तेज हो गया है। कई लोग इन नियमों पर आपत्ति जता रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि ये सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। यूजीसी के नए नियमों का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति, धर्म, लिंग, जन्म स्थान और दिव्यांगता के आधार पर भेदभाव को पूरी तरह खत्म करना है।

अदियाला जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान खान

पीटीआई बोली- इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि जेल में बंद इमरान खान की आंख में गंभीर ब्लॉकेज है। सही इलाज न मिलने पर उनकी आंखों की रोशनी जा सकती है। पार्टी और शौकत खानम अस्पताल ने उन्हें तुरंत अस्पताल शिफ्ट करने की मांग की है। वहीं, इमरान के परिवार ने जेल प्रशासन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है। क्या है बीमारी? पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में 'सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन' की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है। पार्टी के आरोप पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर दोनों बड़े खतरे में हैं। बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है। अस्पताल ने जाहिर की चिंता इमरान खान के बनाए शौकत खानम अस्पताल ने भी उनकी सेहत पर चिंता जाहिर की है। अस्पताल ने मांग की है कि उनकी मेडिकल टीम को इमरान खान की जांच करने की अनुमति दी जाए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे उनकी भलाई के लिए उनकी देखभाल में शामिल होना चाहते हैं। क्या बोला परिवार? दूसरी ओर, इमरान खान की बहनों ने इस खबर की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए जेल के बाहर प्रदर्शन किया। अलीमा खानम और नोरीन खानम ने आरोप लगाया कि यह खबर जानबूझकर किसी एजेंसी ने लीक की है ताकि डर का माहौल बनाया जा सके।

रूस-यूक्रेन जंग में हताहत हुए 20 लाख जवान, अमेरिकी थिंक टैंक का अब तक का सबसे बड़ा खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग चार साल के अधिक वक्त से जारी है। दोनों ही देश एक दूसरे

पर हमलावर हैं। इस बीच एक ताजा रिपोर्ट ने इस युद्ध की भयावहता को दुनिया के सामने रखा है। अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि फरवरी 2022 से जारी इस जंग में अब तक रूस और यूक्रेन दोनों देशों के मिलाकर करीब 20 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। उक्त की रिपोर्ट में युद्ध की असली तस्वीर अमेरिकी थिंक टैंक की ओर से प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार रूस के यूक्रेन पर लगातार हमले के कारण दोनों देशों के बीच लगभग दो मिलियन यानी 20 लाख सैनिक हताहत (मारे गए, घायल हुए या लापता) हुए हैं। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (CSIS) ने पाया कि मॉस्को की सेना को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। रूस को उठाना पड़ा भारी नुकसान सीएसआईएस की ओर से मंगलवार (27 जनवरी) को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि इस जंग में रूस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन पर लगभग चार साल पहले हमला करने के बाद से अनुमानित 1.2 मिलियन (12 लाख) हताहतों में से 3,25,000 मारे गए हैं। उक्त ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किसी भी युद्ध में किसी भी बड़ी शक्ति को इतने ज्यादा हताहतों या मौतों का सामना नहीं करना पड़ा है। स्टडी में कहा गया कि इतनी भारी कीमत चुकाने के बावजूद रूस की सैन्य बढ़त बेहद धीमी रही है। यूक्रेन के 5 से 6 लाख सैनिक हताहत थिंक टैंक ने कहा कि फरवरी 2022 से दिसंबर 2025 के बीच यूक्रेनी सेना को भी भारी नुकसान हुआ है। 5 से 6 लाख लोग हताहत हुए, जिनमें से एक लाख से 1.4 लाख सैनिकों की मौत हो चुकी है। सीएसआईएस ने बताया कि रूसी और यूक्रेनी दोनों तरफ के हताहतों की कुल संख्या 1.8 मिलियन तक हो सकती है और 2026 के वसंत तक कुल हताहतों की संख्या दो मिलियन तक पहुंच सकती है। मालूम हो कि फरवरी 2025 में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक अमेरिकी टेलीविजन चैनल को बताया कि उनके देश ने 2022 से लगभग 46,000 सैनिक खो दिए हैं।

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत

आयोवा रैली में बड़ा बयान; चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा (अमेरिका) (एजेंसी)। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रचार में जुट गए हैं। आयोवा रैली में ट्रंप ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के बारे में कहा। साथ ही 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में 'बड़ी धांधली' के आरोपों को भी दोहराया। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया।

इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का जिक्र आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गमार्या हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन-यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही। ट्रंप ने फिर दिए राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है। ताबड़तोड़ रैलियों को संबोधित करेंगे ट्रंप व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है।' 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता दें कि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा। इस चुनाव का परिणाम निर्णायक साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे कांग्रेस पर किसका नियंत्रण होगा? यह तय होगा और देश के शासन पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। साथ ही यह भी निर्धारित होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल के शेष समय में कितनी राजनीतिक शक्ति का प्रयोग कर पाएंगे। मिनियापोलिस में 'पीछे हटने' के दावों को किया खारिज वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने मिनियापोलिस से बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी ग्रेगरी बोविनो और कई एजेंटों की वापसी को लेकर पीछे हटने' के दावों को खारिज किया है। उन्होंने इसे एक सामान्य प्रशासनिक बदलाव करार दिया और बोविनो को 'कुछ अलग किस्म का आदमी' बताया।

पत्नी को भरण-पोषण में पति की आय की सामान्य जानकारी का हक, गोपनीयता नहीं रोकेगी सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना आयोग ने कहा कि भरण-पोषण या वैवाहिक मामलों में पत्नी को पति की आय का सामान्य विवरण दिया जाएगा। गोपनीयता के नाम पर सूचना नहीं रोकी जा सकती। केंद्रीय सूचना आयोग ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि भरण-पोषण या वैवाहिक विवादों में पत्नी को अपने पति की आय से जुड़ी सामान्य जानकारी देने से इनकार नहीं किया जा सकता। आयोग ने स्पष्ट किया कि गोपनीयता का हवाला देकर सूचना नहीं रोकी जा सकती।

सूचना आयुक्त विनोद कुमार तिवारी के आदेश में कहा गया कि अगर महिला अपने वैवाहिक संबंध और अदालत में चल रहे मेंटेनेंस या वैवाहिक मुकदमे के दस्तावेज पेश करती है, तो आयकर विभाग को पति की आय की सामान्य जानकारी उपलब्ध करानी होगी। हालांकि, आयोग ने यह भी साफ किया कि आयकर रिटर्न (कळफ) की कॉपी या अन्य निजी विवरण नहीं दिए जाएंगे। यह आदेश उस महिला से संबंधित था, जिसने आरटीआई के तहत पिछले पांच वर्षों की अपने पति की आय की जानकारी मांगी थी। महिला का आरोप था कि उसके पति ने अपनी असली कमाई छिपाकर भरण-पोषण से बचने की कोशिश की। आयकर विभाग ने पहले इस मांग को आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) के तहत खारिज कर दिया था, यह कहकर कि यह तीसरे पक्ष की निजी जानकारी है। सीआईसी ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि जब कानूनी पत्नी भरण-पोषण के लिए यह जानकारी मांगती है।

विनोद खोसला के नस्लवाद के आरोप पर एलन मस्क का करारा पलटवार, कहा- तुम घमंडी हो

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और निवेशक विनोद खोसला के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। विनोद खोसला ने जहां मस्क को नस्लवादी करार दिया था वहीं मस्क ने विनोद खोसला को घमंडी कहा है। मस्क

पिछले कुछ समय से इमिग्रेशन (आप्रवासन) पर काफी खुलकर बोल रहे हैं। उनका मानना है कि बहुत ज्यादा और अनियंत्रित प्रवासन से समाज में अस्थिरता आ सकती है। अरबपति कारोबारी एलन मस्क और निवेशक विनोद खोसला के बीच नस्ल को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हो गई। मामला तब शुरू हुआ जब एलन मस्क ने एक पोस्ट में लिखा कि 'दुनिया की आबादी में श्वेत लोगों की संख्या तेजी से कम होती जा रही है।' मस्क पर विनोद खोसला ने लगाए आरोप इस पर विनोद खोसला ने मस्क को नस्लवादी कह दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्क, मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) की जगह वागा यानी व्हाइट अमेरिका ग्रेट अगेन का एजेंडा चलाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, खोसला ने टेस्ला और स्पेसएक्स में काम करने वाले गैर-श्वेत कर्मचारियों और अच्छे श्वेत लोगों से नौकरी छोड़कर उनकी कंपनियों में आने की अपील तक कर दी। उन्होंने कहा, 'टेस्ला और स्पेसएक्स के सभी गैर-श्वेत और अच्छे श्वेत लोग नौकरी छोड़ें और हमारे साथ जुड़ें। अपना लिंक्डइन हमें ईमेल करें।' एलन मस्क ने विनोद खोसला को कहा घमंडी इस पर एलन मस्क ने तीखा जवाब दिया।

ट्रंप प्रशासन की प्रवासन नीति को लगा झटका, मिनेसोटा में पिता-पुत्र के निर्वासन पर जज ने लगाई रोक

सैन एंटोनियो / वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवासन नीतियों को उस समय झटका लगा, जब एक संघीय जज ने मिनेसोटा में एक पिता-पुत्र के निर्वासन पर रोक लगा दिया। यह मामला अमेरिका में इमिग्रेशन नीति को लेकर चल रहे विवाद का हिस्सा बन गया है, खासकर ट्रंप प्रशासन के तहत कड़ी प्रवासन नीतियों के कारण। अमेरिका में एक फेडरल जज ने एक बहुत ही अहम आदेश दिया है जिसमें एक पांच साल के इक्वेडोर बच्चे और उसके पिता को निर्वासित करने से रोक दिया गया है। यह फैसला अमेरिका के दक्षिणी टेक्सास के सत्र न्यायालय में सुनाया गया। क्या है पूरा मामला? पांच साल के लियम कोनेजो रामोस और उनके पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियस को पहले मिनेसोटा से गिरफ्तार किया गया था। जज फ्रेड बियरी ने कहा है कि जब तक उनके मामले की सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक उन्हें निर्वासित या दूसरे स्थान पर भेजा नहीं जा सकता। अब वे दोनों टेक्सास के डिली परिवार डिटेंशन सेंटर में हैं। यह गिरफ्तारी क्यों विवादित है? पड़ोसियों और स्कूल अधिकारियों ने कहा कि एजेंटों ने बच्चे को चालबाजी के लिए इस्तेमाल किया। उनका कहना है कि एजेंटों ने बच्चे से कहा कि वह घर के दरवाजे को खटखटाए ताकि उसकी मां दरवाजा खोले। लेकिन होमलैंड

सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने इस आरोप को खारिज किया और कहा कि पिता भाग गए और बच्चे को गाड़ी में अकेला छोड़ दिया। वहीं पिता और बच्चे के वकील ने कहा है कि उनके पास अमेरिका में शरण का मामला चल रहा है, जिसका मतलब है कि उन्हें देश से तुरंत बाहर नहीं निकाला जा सकता। मिनेसोटा गोलीबारी के बीच ट्रंप का आयोवा दौरा उधर, राष्ट्रपति ट्रंप आयोवा के दौरे पर जा रहे हैं। यह दौरा व्हाइट हाउस की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें आम लोगों के लिए बढ़ती महंगाई और खर्चों पर ध्यान दिया जा रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप पहले एक स्थानीय व्यवसाय का दौरा करेंगे और फिर डेस मोइन्स के पास क्लाइव शहर के होराइजन इवेंट्स सेंटर में 'अफोर्डेबिलिटी' यानी सस्ती जिंदगी और खर्च कम करने पर भाषण देंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब मिनेसोटा में फेडरल इमिग्रेशन अधिकारियों से जुड़ी दूसरी घातक गोलीबारी के बाद सरकार को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एलेक्स प्रेटी नाम के एक आईसीयू नर्स की मौत हो गई, जिन्हें फेडरल एजेंट्स ने गोली मार दी थी। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप जांच पूरी होने का इंतजार करेंगे। मिडटर्म चुनावों से पहले अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे ट्रंप यह दौरा सरकार की ऊर्जा नीति को भी उजागर करेगा। साथ ही यह उस योजना का हिस्सा है, जिसके तहत ट्रंप मिडटर्म चुनावों से पहले हर हफ्ते वॉशिंगटन से बाहर अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। ट्रंप इससे पहले भी मिशिगन, पेंसिल्वेनिया और नॉर्थ कैरोलिना जैसे राज्यों में इसी मुद्दे पर जा चुके हैं। हालांकि कई बार वह महंगाई से हटकर दूसरे विषयों पर भी बयान दे देते हैं, जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। ट्रंप के दौरे से रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि इस दौरे से हाल ही में पास हुए टैक्स कट और खर्च से जुड़े कानून पर फिर से ध्यान जाएगा। सांसद जेक नन ने कहा कि इससे कामकाजी परिवारों को टैक्स राहत, बॉर्डर सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का संदेश जाएगा।

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के 15 नए डेटा सेंटर को मंजूरी; भारत समेत दुनिया पर पड़ेगा असर

माउंट प्लेजेंट, विस्कॉन्सिन (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में 15 नए डेटा सेंटरों को मंजूरी दी। परियोजनाओं का मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। भारत समेत दुनिया भर में क्लाउड और एआई सेवाओं पर इसका असर पड़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने डाटा सेंटर नेटवर्क के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। विस्कॉन्सिन राज्य के माउंट प्लेजेंट गांव में पूर्व फॉक्सकॉन औद्योगिक स्थल के पास 15 नए डाटा सेंटरों की योजना को स्थानीय प्रशासन से सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई है। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जहां

माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक उपयोग होता है। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल व ओरेकल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां इस समय एआई आधारित सेवाओं के लिए विशाल डाटा सेंटर तैयार करने की होड़ में हैं। इन केंद्रों में एनवीडिया चिप्स का इस्तेमाल कर बड़े जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित व संचालित किया जाता है। माउंट प्लेजेंट में अतिरिक्त डाटा सेंटर क्षमता माइक्रोसॉफ्ट को ओपनएआई व अन्य वैश्विक ग्राहकों से पहले से बुक किए गए राजस्व को औपचारिक रूप से मान्यता देने में मदद करेगी। भारत में एआई स्टार्टअप्स, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़े उपयोगकर्ताओं के लिए यह विस्तार अप्रत्यक्ष रूप से सेवाओं की स्थिरता और स्केल को मजबूत करेगा।

दक्षिणी राज्यों में बर्फीले तूफान से अंधेरे में जिंदगी

हालात और बिगड़ने की आशंका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में राहत की उम्मीद कर रहे लोगों के लिए बुरी खबर है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आर्कटिक ठंडी हवाओं की एक और लहर जल्द दस्तक देने वाली है। पहले से ही बर्फ, जमाव और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती से जूझ रहे इलाकों में हालात और बिगड़ सकते हैं। इस भीषण ठंड और बर्फीले हालात के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में एक निजी तालाब की बर्फ टूटने से 6, 8 और 9 साल के तीन भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। मैसाचुसेट्स और ओहायो में स्नोप्लो से कुचलकर मौत, जबकि अर्कांसस और टेक्सास में स्लेजिंग हादसों में किशोरों की जान चली गई। न्यूयॉर्क सिटी में ही ठंड के चलते आठ लोगों के शव खुले में पाए गए, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। टेनेसी के नैशविल में रहने वाली लीसा पैटरसन ने सोचा था कि वह इस तूफान को अपने घर पर ही झेल लेंगी। लेकिन जब बिजली चली गई, पेड़ गिरकर ड्राइववे पर आ गिरे और लकड़ी का चूल्हा भी भीषण ठंड के आगे बेबस हो गया, तो उन्हें अपने पति और कुत्ते के साथ रेस्क्यू कर वॉर्मिंग शेल्टर ले जाया गया। पैटरसन ने कहा मैं बर्फ में फंसने की आदी हूं, लेकिन ऐसा पहले कभी नहीं देखा। न्यूयॉर्क की भीषण ठंड में 10 लोगों की मौत न्यूयॉर्क शहर में भीषण ठंड और बर्फबारी के बीच अब तक कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। क्वींस में एक व्यक्ति को बर्फ की परत के नीचे पार्क बेंच पर मृत पाया गया, मैनहट्टन के एक अस्पताल के पास एक और व्यक्ति मृत मिला, जबकि ब्रॉन्क्स में ऊंची ट्रेन लाइन के नीचे भी शव पाया गया। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के कारणों की जांच अभी जारी है, लेकिन कुछ में हाइपोथर्मिया के लक्षण देखे गए। अधिकतर मृतक बेघर बताए गए हैं। शहर के मेयर जोहरान मामदानी ने कहा कि ठंड की वजह से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बेघर सहायता कर्मचारी तैनात किए जा रहे हैं, नए वॉर्मिंग सेंटर खोले जा रहे हैं और अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि डिस्चार्ज सीमित करें ताकि जिनके पास रहने की जगह नहीं है, उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।